आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं.1 क्षेत्रीय अखबार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 23 | इंदौर, सोमवार 24 अगस्त, 2026 | श्रावण शुक्ल 12 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह जैश हेडक्वार्टर दोबारा तैयार

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभानअल्लाह हेडक्वार्टर तबाह कर दिया था। अब यह फिर से बनकर तैयार हो गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसके री-कंस्ट्रक्शन में 15 महीने लगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरकज सुभानअल्लाह के क्षतिग्रस्त गुंबद फिर बना दिए गए हैं, नया संगमरमर और प्लास्टर लगाया गया है। नया पेंट भी किया गया है। दीवारों समेत पूरी इमारत की मरम्मत कर की गई है। 2025 में 6-7 मई की रात हुए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादी संगठन जैश के इस ठिकाने को काफी नुकसान पहुंच था। 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की थी।

रक्षा-समझौते की आड़ में हथियारों का जखीरा भर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। सऊदी अरब और तुर्किये से हुए रक्षा समझौते की आड़ में पाकिस्तान हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। 19 से 21 अगस्त के बीच करीब 60 घंटे में तुर्किये के दर्जनों सैन्य विमानों ने पाकिस्तान के अलग-अलग एयरबेस पर लैंडिंग और टेकऑफ किया। इनमें सी-130 सैन्य परिवहन विमान और ए-400-एम जंबो मिलिट्री विमान शामिल थे। रावलपिंडी के नूरखान और कराची के मसरूर एयरबेस पर तुर्किये के सी-130 सैन्य विमानों की लगातार आवाजाही रही। ए-400-एम विमान मुरीद एयरबेस पर पहुंचा। इसकी पहचान कॉल-साइन टीयूएएफ 526 से हुई। इन विमानों से तुर्किये ने पाकिस्तान को ड्रोन की बड़ी खेप पहुंचाई। ड्रोन की सप्लाई रात के अंधेरे में की गई, ताकि सैटेलाइट ट्रैकिंग से गतिविधियों को छिपाया जा सके।

एक देश, एक चुनाव: 2034 की जगह 2029 में ही लागू करने की तैयारी

नई दिल्ली। देशभर में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की दिशा में केंद्र सरकार ने अपनी कवायद तेज कर दी है। एक देश, एक चुनाव के मसौदे पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति ने अब सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से परामर्श की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, सरकार इस ऐतिहासिक बदलाव को लागू करने के लिए तय की गई 2034 की समयसीमा को घटाकर 2029 करने की योजना बना रही है। यदि इस प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगती है, तो अगला लोकसभा चुनाव पूरी तरह नए स्वरूप में होगा और देश भर की विधानसभाओं को एक साथ भंग किया जा सकता है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है के एक्टर मोहसिन ने की सगाई

मंगेतर तमन्ना के साथ तस्वीरें शेयर की, बोले- पहली नजर में लगा हमसफर मिल गई

मुंबई। टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में कार्तिक का किरदार निभा चुके एक्टर मोहसिन खान ने सगाई कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी मंगेतर तमन्ना के साथ तस्वीरें शेयर कर इस बात का ऐलान किया। सगाई के दौरान मोहसिन काले रंग के कोट-पैंट में नजर आए, जबकि तमन्ना ने लाल रंग का गाउन पहना था। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखकर मोहसिन ने बताया कि पहली बार मिलते ही उन्हें अहसास हो गया था कि तमन्ना ही उनकी हमसफर हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की सगाई की तस्वीरें मोहसिन खान ने इंस्टाग्राम पर सगाई की कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों एक-दूसरे की सगाई की अंगूठी दिखाते नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में मोहसिन और तमन्ना एक-दूसरे का हाथ थामकर चल रहे हैं, जबकि उनके आसपास मौजूद रिश्तेदार उन पर नोट उड़ाते दिख रहे हैं। मोहसिन की मंगेतर तमन्ना के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। पहली मुलाकात में लगा हमसफर मिल गया अपनी पोस्ट में मोहसिन खान ने तमन्ना के लिए एक मैसेज लिखा। उन्होंने लिखा कि तमन्ना एक बेहद खूबसूरत, कॉन्फिडेंट और हंसमुख इंसान हैं, जिन्हें ऊपर वाले ने उनके लिए चुना है।

नैनो न्यूज

- **वाशिंगटन**: अमेरिका में भारतीय मूल के कारोबारी की हत्या, 19 साल की बेटी के सामने लुटेरे ने पिता को गोली मारी।
- **बारामती**: एनसीपी विधायक रोहित पवार के पीए की बेटी की मौत, नाले के पास नाबालिग का शव मिला, घर से नाराज होकर निकली थी।
- **फ्रांस**: फ्रांस के पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन सितंबर में, 13 दिन चलेगा भारतीय संस्कृति उत्सव, पेरिस से 30 किमी दूर बना।
- **छतरपुर** : 4 हाथ और 4 पैर के साथ एमपी में जन्मा बच्चा, देखते ही उड़े परिजनों के होश।
- **लखनऊ**: यूपी में रसोइयों का 5 लाख तक का फ्री इलाज होगा, साड़ी के लिए 1000 मिलेगा, मानदेय भी एक हजार बढ़ाया।
- **लखनऊ**: यूपी विधानसभा अध्यक्ष महाना राष्ट्रगान छोड़कर चले गए, अचानक मंच से उतरे, कार में बैठकर रवाना, आयोजक बोले- दूसरी जगह बज रहा था।

शाजापुर में संचालित आरा मशीनों के खिलाफ राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 12 आरा मशीनें सील

चार मशीनों पर कार्रवाई नहीं, राजनीतिक संरक्षण के आरोप से उठे सवाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शहर में संचालित आरा मशीनों के खिलाफ राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई के बाद अब कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। शहर में संचालित 16 आरा मशीनों में से संयुक्त टीम ने 12 मशीनों को सील कर उनके संचालकों को नोटिस जारी करते हुए जांच के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं चार आरा मशीनों पर टीम पहुंची ही नहीं और उन्हें सील नहीं किया गया।

कार्रवाई की जद में नहीं आई चार मशीनों के संचालक शेख समीर, शेख शमीम, शेख आदिल और कलीम वारसी बताए जा रहे हैं। इनमें से तीन आरा मशीनें एक ही परिवार से संबंधित होने की बात सामने आई है। चार मशीनों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर अब कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय

स्तर पर राजनीतिक संरक्षण के चलते इन मशीनों पर कार्रवाई नहीं किए जाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। संयुक्त टीम ने कलीम पठान, अमजद खान, अय्यूब खान, फरीद खां, सुल्तान अली, शफी खां, सोहराब बैग, शवीर खान, समीर खां, नासिर शाह, शहीद मंसूरी और जहूर मंसूरी की आरा मशीनों को सील किया है। संचालकों को नोटिस जारी कर दस्तावेज और जवाब मांगा गया है।

सील हुई मशीनों के संचालक उठा रहे सवाल

- जिन आरा मशीनों को सील किया गया है, उनके संचालक भी कार्रवाई को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि यदि सभी आरा मशीनों की जांच की जा रही है तो शहर में संचालित सभी मशीनों पर समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। चार मशीनों को कार्रवाई से बाहर रखने के कारण विभाग की कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।
- अब देखना होगा कि राजस्व एवं वन विभाग इन चार आरा मशीनों पर कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर क्या स्पष्टीकरण देता है और रात में संचालित होने वाली आरा मशीनों तथा लकड़ी के परिवहन पर आगे क्या कार्रवाई की जाती है।

- **रात में चल रही आरा मशीनें-** शहर में रात के समय भी कई आरा मशीनों के संचालन की बात सामने आ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात होते ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और ट्रकों के जरिए लकड़ी का परिवहन शुरू हो जाता है। आरोप है कि शहर में छह से अधिक आरा मशीनें रात के समय संचालित हो रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि विभागीय कार्रवाई के बावजूद रात में मशीनों का संचालन और लकड़ी का परिवहन कैसे जारी है।
- **वन विहीन जिले में 16 आरा मशीनों का संचालन-** शाजापुर जिला वन विहीन क्षेत्र में आता है। स्थानीय जानकारी के अनुसार वन विभाग द्वारा पूरे साल में करीब 7 से 8 टीपी परमिट जारी किए जाते हैं, जबकि राजस्व विभाग द्वारा भी पेड़ कटाई की अनुमति सीमित संख्या में दी जाती है। इसके बावजूद शहर में 16 आरा मशीनों का संचालन होना जांच का विषय बना हुआ है।

लकड़ियों का अवैध संग्रहण

शाजापुर शहर में आरा मशीनों पर की जा रही कार्रवाई को लेकर अब राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि आरा मशीन की निर्धारित सीमा क्षेत्र के भीतर कार्रवाई करने का अधिकार राजस्व विभाग के पास नहीं है। विभाग आरा मशीन की सीमा से बाहर अवैध रूप से संग्रहित लकड़ी की जप्ती और अवैध कटाई के मामलों में कार्रवाई कर सकता है। इस मामले में एसडीएम मनीषा वास्कले ने बताया चार आरा मशीनों को भी सील कर उनके दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग के डीएफओ अमित सिंह ने बताया आरा मशीनों को अनुमति एवं उनकी देखरेख वन विभाग करता है, राजस्व विभाग को आरा मशीनों पर कार्रवाई के कोई अधिकार नहीं है। राजस्व विभाग केवल डायवर्सन की कार्रवाई करता है। शहर में 12 मशीनों को सील करके राज्स्व विभाग ने वन विभाग को दस्तावेज सौंप दिए हैं,चार आरा मशीन सील क्यों नहीं हुई, जांच करवाता हूं।

स्कूल से लौट रहे तीन बच्चों की नदी में बहने से मौत

उत्तरप्रदेश के बाराबंकी में सड़क पर नाव चल रहीं, मध्यप्रदेश में 6 महीने पहले बनी सड़क बही

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ की तरह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। यहां बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बहे- यूपी में भी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाराबंकी में करीब 1,250 ग्रामीणों के लिए नाव ही आने-जाने का सहारा बनी हुई है। लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी हो रही है। मध्य प्रदेश के सीधी में शनिवार को 104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया। नरसिंहपुर में रेतघाट पुल पानी में डूब गया है। सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग बच गए, तीसरा लापता है। पन्ना में उफनती नदी में एक डंपर बह गया। हिमाचल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण श्री मणिमहेश कैलाश यात्रा स्थगित कर दी गई है।

बोलेरो ने बाइक सवार परिवार को कुचला, तीनों की मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ धार

धार में तेज रफ्तार बोलेरो ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। 12 साल की बच्ची गंभीर है। बाइक सवार परिवार बहन के घर रक्षाबंधन का बुलावा देने जा रहा था। एक्सीडेंट दोपहर करीब 1 बजे मागोद-अमझेरा-मनावर हाईवे पर हुआ। इसमें अंतर सिंह (32), अशोक (4) और उनके चाचा भूरू सिंह की मौके पर ही जान चली गई। रेशम को गंधवानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद ड्राइवर बोलेरो छोड़कर फरार हो गया। जीराबाद पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

पाकिस्तान के कई शहरों में 12-12 घंटे की बिजली कटौती

एजेंसी ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के इस्लामाबाद, रावलपिंडी और कराची जैसे बड़े शहर बिजली कटौती से परेशान हैं। सबसे खराब हालात कराची में हैं, जहां 12-12 घंटे बिजली कटौती हो रही है। कराची में बिजली कटौती के खिलाफ शनिवार को लोगों ने प्रदर्शन किया, कई घंटे सड़कें जाम रखीं। इस प्रदर्शन से शहर में ट्रैफिक ठप हो गया और हजारों लोग जाम में फंस गए। डॉन के मुताबिक, लोगों ने बताया कि उन्हें रोज 12 घंटे या उससे ज्यादा बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि कई बार कटौती की जानकारी भी नहीं दी जाती। बिजली नहीं होने पर पंपिंग स्टेशन बंद रहते हैं। इससे पानी की सप्लाई भी रुक रही है।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की संदिग्ध हालात में मौत

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार लोग संदिग्ध हालात में मृत मिले हैं। इनमें रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। चारों के शव शनिवार रात एक बंद घर से मिले। पुलिस, उक्ळ और डिटेक्टिव ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है।

मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती (65), पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगमी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है। गणपति रंगपुर जिला स्कूल में शिक्षक थे और पिछले साल 31 दिसंबर को रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे होम्योपैथी का काम भी कर रहे थे। परिजन के मुताबिक, प्रीतिलता की छोटी बहन पूजा चक्रवर्ती ने उनसे गुरुवार दोपहर आखिरी बार बात की थी। इसके बाद गुरुवार रात से परिवार के चारों मोबाइल फोन बंद हो गए। शनिवार रात परिजन रंगपुर के दासपाड़ा इलाके में उनके घर पहुंचे। घर का मुख्य गेट बंद था और अंदर की सभी लाइटें भी बंद थीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चारों के शव बरामद किए।

बांग्लादेश ने कहा, हमारे पीएम को भारत दौरे की जल्दबाजी नहीं

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ अच्छे रिश्ते चाहता है, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। हुमायूं कबीर ने कहा कि प्रधानमंत्री के भारत दौरे का फैसला दोनों देशों के बीच बातचीत और जरूरी तैयारियों के बाद होगा। भारत ने तारिक रहमान को द्विपक्षीय दौरे के लिए आमंत्रित किया है। उन्हें 12-13 सितंबर को होने वाले इफ्क्कर समिट के आउटरीच सेशन में शामिल होने का न्योता भी मिला है। यह दौरा भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते सुधारने के लिए अहम माना जा रहा है। 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ा हुआ है।

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत

एजेंसी ▸▸ मुंबई

मुंबई के भुलेश्वर में शनिवार रात करीब 10 बजे 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए, जिनमें 5 और 7 साल की दो बच्चियां शामिल हैं। पुलिस की शुरूआती जांच के मुताबिक, प्रतिमा लालबाग से भुलेश्वर लाई जा रही थी। पंडाल से करीब 50-60 मीटर पहले प्रतिमा के पीछे लगा वेल्डिंग सपोर्ट टूट गया। इससे मूर्ति का संतुलन बिगड़ा और वह आगे की तरफ लोगों पर गिर गई। हादसे के बाद प्रतिमा के तीन टुकड़े हो गए। फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस और बीएमसी की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव शुरू किया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की है।

जापान में 5.9 तीव्रता के भूकंप से कांपी धरती

20 से ज्यादा लोग हुए घायल

एजेंसी ▸▸ टोक्यो

जापान में रविवार सुबह तड़के भूकंप के झटकों से धरती कांप उठी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप देश के पूर्वी इलाके में आया जिसमें टोक्यो भी शामिल है। इसकी तीव्रता 5.9 रही, जिसमें 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें से ज्यादातर को हल्की चोटें आई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र दक्षिणी इबाराकी प्रांत में 70 किलोमीटर की गहराई पर था। जापान के इस इलाके में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। अधिकारियों ने सुनामी की कोई चेतावनी नहीं जारी की है।

नुकसान के आकलन के लिए बनी टास्क फोर्स

भूकंप की वजह से लोकल ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। मोबाइल फोन पर इमरजेंसी अलर्ट जारी किए गए। कई जगहों पर जमीन के नीचे पानी के पाइप फट गए। टोक्यो में लगभग 460 घरों में बिजली कट गई। हालांकि, सुबह होने तक बिजली की आपूर्ति बहाल हो गई। प्रधानमंत्री साने ताकाइची सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए एक टास्क फोर्स बनाई है।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

65 पार का आधार

सरकारी नियमों में सेवानिवृत्ति 62 वर्ष की है। इसके बाद अगर संबंधित सेवानिवृत्त का उपयोग किया जाना है तो तीन साल यानिकी 65 की उम्र तक किया जा सकता है। ये भी अपने आप में हमारे बुजुर्गों के मानसिक संपन्नता का प्रतीक है कि 65 पार का आधार हमें लेना पड़ रहा है। उनके बताए मार्ग एवं निर्देशों के तहत कामों को अंजाम दिया जा रहा है। शासन नियमों के विपरित हमें महाआयोजन की तैयारी में उनका आधार उनके अनुभवों के आधार पर लेना हमारी मजबूरी है। शासन एवं प्रशासन में ऐसा पहली बार ही देखा जा रहा है जब इस तैयारी में जेन-जी को 65 पार चुनौती देते देखे जा सकते हैं और 65 पार आयोजन के आधार बने हैं। कुछ को लाने की तैयारी की जा रही है तो कुछ पिछले समय से ही इसमें अपना आधार बनाए हुए हैं। मंदिर में भी ऐसा देखा जा रहा है जो स्थानीय स्तर पर भी दृश्य मान है। नियमों की वैसे तो दुहाई देने में कोई देर दार यहां नहीं होती है लेकिन 65 पार का आधार बराबर बना हुआ है। ऐसा एकाध मसला हो तो ठीक है लेकिन मसलों की संख्या यहां से वहां तक 65 पार का आधार लेती जा रही है जिसकी वृद्धि की बराबर योजनाओं को भी विचार में रखा जा रहा है और मौखिक रूप से भी उसे काम में लिया जा रहा है। 65 पार का आधार बराबर बढ़ता जा रहा है और उसे अधिकाधिक उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाने की स्थिति देखी जा रही है। खुसूर-फुसूर है कि 65 पार का आधार इसी तरह से बराबर जायज बनाया जाता रहा तो अभी तो ठीक है आगे चलकर जेन जी के लिए अनुभवों की कमी होना सहज ही है। जब अवसर ही नहीं मिलेगा तो अनुभव कैसे आएगा और 62 से सेवानिवृत्ति लेने वालों से 65 पार होने जाने पर भी का आधार जारी रहेगा तो ऐसे में जेन जी का कोरा रहना व्यवस्था का दोष रहेगा। जिसने नियमों की दुहाई तो दी लेकिन उसके पालन में 65 पार का आधार लिया।

नैनो न्यूज

- **सिंधु प्रतिभा सम्मान आज-** 71 मेधावी विद्यार्थी व शिक्षाविद होंगे पुरस्कृत, सिंधु जागृत समाज द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी होगा आयोजन, बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी
- **कैलाश मानसरोवर की मुक्ति के लिए भारत तिब्बत समन्वय संघ ने लिया संकल्प-** मातंगेश्वर महादेव मंदिर में मानसरोवर के जल से किया भोलेनाथ का अभिषेक
- **शिव महापुराण कथा में सुनाई 12 ज्योतिर्लिंग की महिमा, आज सुनाया जाएगा शिव व्रत का महत्व-** शंखनाद समिति द्वारा श्रीराम विजय वाटिका पवांसा में हो रहा आयोजन, 25 अगस्त को निकलेगी 5 हजार महिलाओं की कलश यात्रा
- **निजी स्कूलों को आरटीआई फीस प्रतिपूर्ति प्रतिवर्ष की जाए : महेश जायसवाल-** उक्त मांग अवंतिका प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी बैठक में एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष महेश जायसवाल ने की। कार्यकारिणी की बैठक गत दिवस नागदा के .आदित्य विद्या मंदिर स्कूल में संपन्न हुई।
- **पुलिस पेंशनर संघ का श्रावण महोत्सव:** 26 अगस्त को उज्जैन संभाग के पुलिस पेंशनर संघ के सदस्य होंगे एकजुट- संभागीय स्तर का श्रावण महोत्सव 26 अगस्त बुधवार को आयोजित किया जाएगा।
- **विक्रमादित्य फ्रीगंज व्यापारी महासंघ की साधारण सभा आज, आगामी गतिविधियों पर होगी चर्चा-** आस्था गार्डन में सुबह 10.30 बजे से होगा आयोजन, वरिष्ठ व्यापारियों का किया जाएगा सम्मान
- **नरसिंह घाट स्थित सिद्धाश्रम में सावन के झूला महोत्सव का आयोजन, 24 को लगेगा ज्योत खिर और चूरमा का भोग-** नरसिंह घाट स्थित श्री श्याम मंदिर (सिद्धाश्रम) में रविवार 23 अगस्त को शुक्ल पक्ष की पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी पर सावन का झूला उत्सव उल्लास के साथ मनाया जाएगा।
- **मालव रक्षा अनुष्ठान ने कहा-** सुधार नहीं हुआ तो करेंगे सत्याग्रह, सिंहस्थ क्षेत्र में 11 लाख पारिजात पौधे लगाने की मांग, मालव रक्षा अनुष्ठान के संयोजक आचार्य सत्यम (सत्यनारायण पुरोहित अधिवक्ता) ने नागपंचमी पर्व पर हुई भगदड़ और अव्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

ट्रेंडिंग

उज्जैन जिले में पिछले 20 दिनों में तीन मरीज सामने आए

खाचरौद और उज्जैन में मिले स्वाइन फ्लू के दो मरीज

महिला की मौत, शहर के निजी अस्पताल में मरीज का उपचार जारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

जिले में पिछले 20 दिनों में स्वाइन फ्लू एच-1 एन-1 के शनिवार को दो मरीज के पाजिटिव होने की पुष्टि सामने आई है। खाचरौद के नजदीक मडावदा ग्राम निवासी 66 वर्ष के वृद्ध पुरूष एवं उज्जैन के महालक्ष्मी नगर निवासी 48 वर्षीय पुरूष की शनिवार को आई रिपोर्ट में वे स्वाइन फ्लू पाजिटीव निकले हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। इससे पूर्व उज्जैन शहर के ऋषिनगर निवासी महिला की हाल ही में बीमारी से मौत होना सामने आया था।

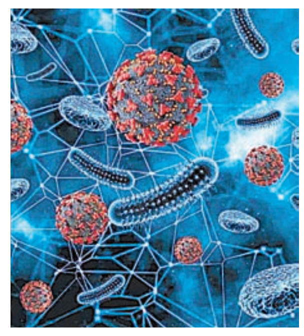

सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि खाचरौद निवासी 66 वर्षीय वृद्ध को दो दिन पूर्व उज्जैन शहर के निजी अस्पताल में सर्दी, खांसी-बुखार के लक्षण के बाद भर्ती कराया गया था। मरीज के लक्षण को देखते हुए अस्पताल ने सैंपल लेकर जांच के लिए इंदौर भेजा था। संबंधित मरीज की जांच रिपोर्ट में स्वाईन फ्लू की पुष्टि की गई है। मरीज का उपचार निजी अस्पताल में जारी है। इधर स्वाइन फ्लू के नोडल अधिकारी डॉ. एच पी सोनानिया के अनुसार अहमदाबाद से शनिवार को मिली रिपोर्ट में 66 वर्षीय वृद्ध के साथ ही उज्जैन शहर के महालक्ष्मी नगर निवासी 48 वर्षीय पुरूष के भी पॉजिटिव की पुष्टि की गई है। मरीज का सैंपल लिए जाने के बाद वे अस्पताल से चले गए थे। इसके चलते उनके निवास पर टीम को भेजा गया है और विस्तृत जानकारी ली जा रही है।

मरीज के संपर्क एवं ट्रेवल हिस्ट्री देख रहे

जिला अस्पताल के चरक भवन में भी चौथी मंजिल पर आइसोलेशन वार्ड बनाया है। स्वास्थ्य विभाग के पास पाजिटिव रिपोर्ट आने के बाद संबंधित मरीज के निवास एवं आसपास के घरों में सर्वे व स्क्रीनिंग के लिए दलों को निर्देश दिए गए है। मरीज की कांटेक्ट हिस्ट्री एवं ट्रेवल हिस्ट्री भी निकाली जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का दल उसके निवास क्षेत्र के लिए रवाना किया गया है।

उज्जैन शहर में महिला मरीज की मौत

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पटेल के अनुसार इससे पूर्व शहर के ऋषिनगर निवासी 60 वर्षीय महिला को स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई थी जिनकी 18 अगस्त को उपचार के बाद उज्जैन घर लाने पर मौत हो गई थी। डॉ. पटेल के अनुसार 31 जुलाई को महिला को बुखार, सर्दी, जुकाम एवं अन्य परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती किया गया था। 3 दिनों बाद महिला को शहर के ही एक निजी अस्पताल में उपचार दिया गया था। इसके बाद महिला को इंदौर के एक बडे निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। महिला का सेंपल लेकर उसकी जांच करवाने पर स्वाइन फ्लू पाजिटीव आया था। महिला शुगर की बीमारी से ग्रस्त थी और उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर सामने आई थी। इंदौर के निजी अस्पताल में उपचार के बाद महिला को उज्जैन घर ले आया गया था। कोमार्डिटी के कारण यहां लाने के बाद ही उसकी 18 अगस्त को मौत हो गई थी। महिला के स्वाइन फ्लू पाजिटीव आने के बाद उसके घर के सदस्यों के साथ उसके आसपास के 30 परिवारों की स्वास्थ्य विभाग टीम ने जांच की थी, जिसमें से एक भी संदिग्ध नहीं मिला था। महिला की कांटेक्ट हिस्ट्री में भी ऐसा कोई संदिग्ध नहीं मिला और उसकी ट्रेवल हिस्ट्री भी नहीं थी। ऐसे में जांच में सामने आया कि महिला के निवास के पास ही नाला स्थित है जिसमें नियमित तौर पर सूअर बैठते हैं। महिला की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संभवतः उसे सुअर से ही स्वाइन फ्लू हुआ है। स्वाइन फ्लू एन-1एच -1 के प्रसार में सुअर की अहम स्थिति पूर्व से सामने हैं। ऐसे में एंटीलार्वा एवं नगर निगम से समन्वय के साथ नाले में दवाई का छिड़काव करवाते हुए नाले में बैठने वाले जानवरों को वहां से हटवाने एवं निगरानी के लिए कहा गया है। टीम ने ऋषिनगर के संबंधित क्षेत्र एवं आसपास भी दो बार अपनी जांच कार्रवाई को अंजाम दिया है जिसमें 2 डाक्टरों के साथ करीब 10 कर्मचारियों का दल शामिल रहा है।

बाजार में एकदम तड़के की स्थिति बनी दाम बढ़ने से

शकर 70 रुपये किलो तो बाजार में बढ़े चाय-मिठाई के भी दाम

मार्केट में चना दाल के दाम भी गर्माए, बेसन भी महंगा हुआ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शकर के दाम बढ़ने के साथ ही बाजार में एक दम से तड़के की स्थिति खाद्य सामग्री के दामों में आने लगी है। पिछले 10 दिनों में ही शकर में 21 रूपए तक उछाल सामने आया है। इसके साथ ही चाय एवं मिठाई के दाम में भी गर्मी आने लगी है। दालों के दामों में भी शनिवार को तड़का लग गया है और चना दाल 80 पार पहुंच गई है तो बेसन 90 प्लस हो गया है। तुअर दाल ने भी रंग दिखा दिया है 130 पर जा पहुंची है।

दाम बढ़ने से स्वाद में अब शकर गरीब को कड़वी लगने लगी है। पिछले दस दिन में 21 रुपये तक इसके दाम उछले हैं। शनिवार को बाजार खुलने के साथ शकर 70 रुपए में मांग के साथ लेवाली हुई है। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही चना और तुअर दाल ने भी अपना रंग दिखा दिया। उत्पादन की स्थितियों के बाजार में ओपन होते ही दाम में गर्मी बनने लगी। चना दाल शाम तक 80 रूपए प्रति किलो एवं तुअर दाल 130 रूपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। बेसन भी 90 रूपए प्रति किलो पर जा पहुंचा था।

- **इस बार भी त्यौहार पर ही बढ़े दाम-** इधर व्यापारियों में चर्चा है कि हर बार की तरह इस बार भी त्यौहारों के नजदीक आते ही उसमें उपयोगी शकर, चना दाल, तुअर दाल में दाम की बढ़ोतरी सामने आ रही है। व्यापारियों के अनुसार पूर्व में भी त्यौहारों के आसपास ही तेल एवं अन्य खाद्य सामग्रियों के दाम बढ़े थे। इसी प्रकार दिपावली के आसपास सोना-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव सामने आया था।
- **चाय दुकानों पर चढ़े दर-** शकर के दाम चढ़ने के साथ ही चाय दुकानों के संचालकों ने चाय के दाम में तड़का लगा दिया है। पुराने शहर के कुछ क्षेत्रों में दाम में सीधे-सीधे 7-8 रूपए कट चाय 10-12 रूपए एवं फूल चाय 15-20 रूपए कर दी गई है। ताजी मिठाई की दुकानों पर भी दर वृद्धि प्रति किलो के मान से कर दी गई है। खास तो यह है कि कुछ दुकानों पर ग्राहकों से बढ़ी हुई राशि की वसूली भी शुरू कर दी गई है।

दाम बढ़ोतरी का भार बढ़ा

हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने यात्री बसों में किराया में 40 प्रतिशत दर बढ़ाई थी जिसकी वसूली आदेश के साथ ही होना शुरू हो गया था। इसके बाद खाद्य वस्तुओं शकर, तेल, दालों के दामों में तड़का लगते ही वसूली शुरू हो गई है। इसके चलते आम उपभोक्ता पर दाम बढ़ोतरी का भार एक दम से बढ़ा है। इस कारण से आम उपभोक्ता का बजट गड़बड़ाने की स्थिति बन गई है।

दाम बढ़ोतरी मजबूरी

चाय की दुकान से लेकर बड़ी मिठाई की दुकानों तक सभी को अपनी लागत बढ़ानी पड़ रही है। त्योहारों का समय नजदीक होने के कारण यह मूल्य वृद्धि और भी चिंताजनक है। क्योंकि इस दौरान मिठाईयो और अन्य शकर आधारित उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। मिठाई व्यापारियों ने कहा कि अगर शकर के भाव कम नहीं होंगे तो मिठाइयों के दाम बढ़ाना मजबूरी होगी। दूध, मावे के साथ अन्य खाय पदार्थों में भी लगातार चढ़ोतरी देखती जा रही है।

तीन क्वालिटी की शकर

बाजार में लगातार दाम बढ़ने से शकर का भंडारण भी होने लगा है। प्रतिदिन दाम बढ़ने से खुदरा बाजार पर असर दिखाई देने लगा है। बाजार में तीन अलग-अलग क्वालिटी की शकर पहुंचती है। महाराष्ट्र के शकर कारखाने की शकर बाजार में अधिक बिकती है, लेकिन कम दाम वाली शकर की मांग अधिक होने से शकर व्यापारी महाराष्ट्र से मध्यम क्वालिटी की शक्कर अधिक डिमांड पर बुलाते हैं।

28 अगस्त को रक्षाबंधन, भद्रा का साया नहीं

सबसे पहले भगवान महाकाल को बांधी जाएगी राखी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

देशभर में 28 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार भद्रा 27 अगस्त को ही समाप्त हो जाएगी। रक्षाबंधन पर्व पर उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में भी विशेष आयोजन होंगे। भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल को सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया जाएगा और परंपरा के अनुसार सबसे पहले बाबा महाकाल को राखी बांधी जाएगी।

ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बेवाला के अनुसार पंचांग गणना के मुताबिक श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन मनाने की परंपरा है। इस दिन बहनें भाई की दीघार्यु, सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए रक्षा सूत्र बांधती हैं। इस बार शुक्रवार का दिन सौम्य योग के संयोग में होने से पर्व को शुभ फलदायी माना जा रहा है।

27 अगस्त को ही खत्म हो जाएगी भद्रा

ज्योतिषाचार्य के अनुसार इस बार रक्षाबंधन के दिन भद्रा नहीं रहेगी। गणना के मुताबिक 27 अगस्त को सुबह 9:09 बजे से रात 9:25 बजे तक भद्रा रहेगी। इसके बाद 28 अगस्त की सुबह से पूरे दिन और प्रदोष काल तक रक्षाबंधन मनाया जा सकेगा। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार मध्यान्ह के आसपास रक्षा सूत्र बांधना श्रेष्ठ माना गया है। इसके अलावा प्रदोष काल में भी रक्षाबंधन मनाया जा सकता है।

- श्रावण पूर्णिमा पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में पुजारी परिवार की ओर से भगवान महाकाल को राखी बांधने की परंपरा है। इसके साथ ही बाबा को बेसन और शुद्ध घी से तैयार सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया जाएगा।
- रक्षाबंधन के दिन भस्म आरती में बाबा महाकाल को महाभोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को लड्डू प्रसाद वितरित किया जाएगा। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत राजाधिराज महाकाल को ही सबसे पहले राखी बांधी जाएगी।

बेगमबाग क्षेत्र में 16 मकानों को 7 पोकलेन मशीनों के सहारे ढहाया

नगर निगम की छठी कार्रवाई में अब तक 72 मकान ध्वस्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाकाल मंदिर मार्ग स्थित बेगमबाग क्षेत्र से विकास प्राधिकरण ने अपनी बेशकिमती जमीन से लीज उल्लंघन मामले में 16 मकानों को न्यायालय के स्टे हटने के बाद शनिवार को ढहा दिया है। शनिवार को हटाए गए भवनों के साथ अब तक यहां से 72 मकान हटाए गए हैं और यह क्षेत्र में छठी कार्रवाई थी।

मकानों के ध्वसत करने की कार्रवाई में 7 पोकलेन, 4 जेसीबी मशीनों सहित अन्य उपकरणो का सहारा लिया गया। हरिफाटक ब्रिज के चौड़ीकरण और मंदिर के लिए बनाई जा रही टनल के रास्ते में बाधा बन रहे इन मकानों को हटाया गया। इन मकानों की लीज करीब 15 साल पहले समाप्त हो चुकी थी। हाईकोर्ट से स्टे हटने के बाद कार्रवाई का रास्ता साफ हुआ।

ब्रिज चौड़ीकरण और मंदिर के लिए बनाई जा रही टनल के रास्ते में बाधक थे

लीज 15 साल पहले समाप्त

यूडीए सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि सिंहस्थ से पहले शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए यह कार्रवाई जरूरी है। इस मार्ग पर इससे पहले भी 72 मकान हटाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिन मकानों पर शनिवार को कार्रवाई हुई, उनकी लीज करीब 15 साल पहले समाप्त हो चुकी थी। मामला न्यायालय में लंबित था, लेकिन हाल ही में स्टे समाप्त होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

45 भूखंडों पर 90 इमारतें व्यवसायिक उपयोग

यह मामला उज्जैन विकास प्राधिकरण की बेशकीमती जमीन से जुड़ा है। वर्ष 2014-15 में इन भूखंडों की लीज अवधि समाप्त हो गई थी, लेकिन उनका नवीनीकरण नहीं कराया गया। इसके बाद प्रशासन ने कब्जे हटाने की प्रक्रिया शुरू की। यूडीए ने बेगमबाग में 45 भूखंड, प्रत्येक 2400 वर्गफीट, 30 साल की लीज पर केवल आवासीय उपयोग के लिए दिए थे। भूखंड धारकों ने लीज शर्तों का उल्लंघन कर इनका व्यावसायिक उपयोग शुरू कर दिया। साथ ही 45 प्लॉटों को छोटे हिस्सों में बांटकर करीब 90 इमारतें खड़ी कर दी गई।

क्षेत्र में छठी कार्रवाई

शनिवार सुबह करीब 8 बजे बेगमबाग में लोग घरों से बाहर निकले तो उन्हें मौके पर भारी पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अमला और नगर निगम की जेसीबी पोकलेन मशीनें तैनात था। इसके बाद मकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। यह उज्जैन विकास प्राधिकरण की इस क्षेत्र में छठी कार्रवाई है। कार्रवाई के दौरान यूडीए, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम के 50 से अधिक कर्मचारी तैनात रहे।

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | सोमवार 24अगस्त, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

पर्यावरण संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

इंदौर। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं संरक्षक मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर न्यायमूर्ति विवेक रुसिया के निर्देशानुसार तथा न्यायमूर्ति आनंद पाठक द्वारा तैयार किए गए एडवाइजरी फ्रेमवर्क के अनुक्रम में प्रशासनिक न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ, इंदौर, न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर के मार्गदर्शन में उल्लास – एक अभिनव प्रयोग कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार, 23 अगस्त 2026 को कॉन्फ्रेंस हॉल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ, इंदौर में पर्यावरण संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इंदौर विकास प्राधिकरण के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

इंदौर। संभागायुक्त भास्कर लक्षकार की अध्यक्षता में इंदौर विकास प्राधिकरण के विकास कार्यों को लेकर रविवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री लक्षकार ने प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े से परियोजनाओं में प्रगतिरत विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और उसकी समीक्षा की। बैठक में प्रमुख रूप से नगर विकास योजनाओं में विकसित मास्टर प्लान एवं आंतरिक सड़कों के निर्माण एवं गुणवत्ता पर चर्चा की गई। प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे विकास कार्य जिनमें प्रमुख रूप से एमआर - 12 पर निर्माणाधीन रिवर ओव्हर ब्रिज, रेलवे ओव्हर ब्रिज तथा योजना क्रमांक 136 में निर्माणाधीन बहुमंजिला भवन की निर्माण प्रक्रिया एवं गुणवत्ता परीक्षण पर चर्चा हुई। सम्भागायुक्त ने निर्माणकर्ता एजेंसी से कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के साथ उन्हें समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए ।

युवा संगम के तहत बिजलपुर में आयोजित हुआ करियर मार्गदर्शन

इंदौर। जिला रोजगार कार्यालय इंदौर के तत्वावधान में युवा संगम के तहत करियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन बिजलपुर स्थित शासकीय बालक एवं कन्या विद्यालय में किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को करियर निर्माण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों के संबंध में उपयोगी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पूर्व में इंदौर में भारत सरकार की ओर से प्रोजेक्ट ऑफिसर के रूप में कार्य कर चुके पुनीत जैन ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए जीवन में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर आजीविका के अवसर तथा अच्छे कॉलेज से पूर्णकालिक शिक्षा प्राप्त करने के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। सही शिक्षा, व्यावहारिक ज्ञान, कौशल विकास तथा निरंतर सीखने की क्षमता सफलता का मजबूत आधार है।

इंदौर के अस्पतालों के पीने के पानी में मानव मल के कीटाणु

इंदौर। इंदौर के 9 प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थानों में पीने के पानी की गुणवत्ता को लेकर एक विस्तृत पड़ताल की गई। एनएबीएल (ठअइछ) द्वारा प्रमाणित प्रयोगशाला में कराए गए परीक्षण के नतीजों के अनुसार 6 अस्पतालों के पीने के पानी में मानव व पशुओं के मल-मूत्र में पाए जाने वाले खतरनाक जीवाणु ई-कोलाई और कॉलिफॉर्म मौजूद हैं। एमवाय अस्पताल, पीसी सेठी, चाचा नेहरू (बाल चिकित्सालय), सुपर स्पेशिएलिटी, मेंटल हॉस्पिटल तथा जिला अस्पताल के पीने के पानी में गंभीर स्तर का जैविक प्रदूषण दर्ज हुआ है। वाटर कूलरों के पास गंदगी और आपातकालीन इकाइयों में प्रणालियों का बंद होना प्रमुख समस्या पाई गई। चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में नवजात बच्चों के इलाज वाले इस संस्थान में वाटर कूलर के आसपास अस्वच्छता पाई गई और नमूनों में संक्रमण फैला पाया गया। वहीं मेंटल हॉस्पिटल व जिला अस्पताल के वाटर कूलर खराब होने के कारण मटकों या लोटों के जरिए असुरक्षित पानी बांटा जा रहा है, जिससे संक्रमण का जोखिम बना हुआ है। पूरे अध्ययन के दौरान केवल एमटीएच, बाणगंगा और एमआरटीबी अस्पताल का पानी ही मानव उपभोग के अनुकूल पाया गया। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, ई-कोलाई व कॉलिफॉर्म युक्त पानी से नवजात शिशुओं, आईसीयू में भर्ती मरीजों और ऑपरेशन कराने वाले व्यक्तियों में जानलेवा आंतरिक संक्रमण फैल सकता है।

नैनो न्यूज

- **देवासः** सरकारी स्कूल में बच्चों से मजदूरी कराने का मामला सामने आया। बच्चों से रेत-गिट्टी ढुलवाने के आरोपों की चर्चा है।
- **रतलामः** शिवपुर उप स्वास्थ्य केंद्र पर शाम से ताला लगा रहने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने धरना देकर स्वास्थ्य सेवाएं शुरू करने की मांग की।
- **मंदसौरः** जिले में उड़द की फसल पर पीला मोजेक और अफलन का असर बताया गया है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ी है।
- **नीमचः** जिले में मक्के की फसल में इल्ली और उड़द में रस चूसक कीड़ों का प्रकोप सामने आया है। कृषि विभाग ने निगरानी की सलाह दी है।
- **भोपालः** खजूरी इलाके में दुकान के बाहर सो रहे बुजुर्ग से चोरों ने मारपीट की। पैसे नहीं मिलने पर चोरों ने बुजुर्ग से माफी मांगी; घटना सीसीटीवी में कैद हुई।
- **ग्वालियरः** जीवाजी विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकताओं में हाथापाई हो गई। विवाद के बाद प्रशासन ने काउंसलिंग प्रक्रिया रोक दी।
- **एमपी में बारिश का दौर जारी** – जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में भारी बारिश का अलर्ट; कई जिलों में जलभराव की आशंका।
- **26 अगस्त तक बारिश का अनुमान** – मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में अगले तीन दिन बारिश जारी रहने की संभावना।

एक साल से ज्यादा चले आंदोलन में सरकार और किसान संगठनों की कशमकश, दांव पर लगा किसान

किसानों को राहत नहीं, स्थायी सुरक्षा की दरकार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

किसानों को बार-बार आंदोलनों और संघर्षों के दौर से गुजरने के बजाय ऐसी स्थायी कानूनी व्यवस्था की जरूरत है, जिससे सरकारें बदलने के साथ उनकी समस्याओं और अधिकारों की अनिश्चितता खत्म हो सके। किसान संघर्ष समितियां लंबे समय तक आंदोलन करती हैं, ज्ञापन देती हैं और सड़कों पर उतरकर अपनी मांगों के लिए संघर्ष करती हैं। इस दौरान कई किसान आर्थिक, सामाजिक और मानसिक दबाव भी झेलते हैं।

किसानों का कहना है कि किसी योजना या घोषणा से तत्काल राहत तो मिल सकती है, लेकिन यदि किसानों के हितों को पक्के कानून का संरक्षण नहीं मिला तो भविष्य में फिर वही परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। सरकार की किसी योजना के आने के बाद एक-दो वर्ष तक किसान राहत महसूस करता है, लेकिन समय बीतने के साथ नई परिस्थितियां और नई समस्याएं सामने आ जाती हैं। किसान संगठनों का तर्क है कि संघर्ष में बीता समय किसान के लिए दोहरी मार जैसा होता है। एक ओर खेती की लागत, मौसम और बाजार की अनिश्चितता रहती है, वहीं दूसरी ओर अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना पड़ता है। कई बार लंबे संघर्ष के बाद सरकार किसी योजना अथवा राहत की घोषणा करती है और आंदोलन समाप्त हो जाता है। लेकिन यदि मूल समस्या का स्थायी समाधान कानून के माध्यम से नहीं किया गया तो कुछ वर्षों बाद किसान फिर उसी स्थिति में पहुंच सकता है।

योजनाओं से आगे बढ़कर कानून की मांग

किसानों के बीच अब यह सवाल भी उठ रहा है कि ऐसी व्यवस्था क्यों न बने, जिसमें सरकारें किसी भी परिस्थिति में किसानों के अधिकारों और हितों की अनदेखी न कर सकें। किसान हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को केवल घोषणाओं और योजनाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें स्पष्ट कानूनी अधिकारों में बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। किसान संघर्ष समितियों का कहना है कि आंदोलन की थकान के बाद मिलने वाली अस्थायी राहत को अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। किसान कुछ वर्षों तक संघर्ष करता है, थकता है, फिर कोई नई योजना आती है और पुरानी पीड़ा पीछे छूट जाती है। लेकिन यदि व्यवस्था में मूल बदलाव नहीं हुआ तो आने वाली पीढ़ी को भी इसी संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है।

आंदोलन लंबा, किसान की परेशानी भी लंबी

किसान संगठनों के लिए आंदोलन अपनी मांगों को मजबूती से उठाने का माध्यम था, लेकिन आम किसान के लिए यह लंबा संघर्ष आर्थिक और मानसिक दबाव का कारण भी बना। खेती पहले ही मौसम, लागत और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझती है। ऐसे में लंबे आंदोलन ने किसान की मुश्किलों को और बढ़ाया। किसानों का कहना है कि सरकारें योजनाएं और राहत पैकेज घोषित करती हैं, लेकिन उनका असर कितने समय तक रहेगा, यह स्पष्ट नहीं होता। यदि किसी समस्या के समाधान के लिए किसान को बार-बार आंदोलन करना पड़े तो इसे स्थायी समाधान नहीं माना जा सकता।

फिर संघर्ष की नौबत न आए

किसानों की अपेक्षा है कि सरकार ऐसी नीति और कानून बनाए, जिससे उन्हें अपने अधिकारों के लिए बार-बार आंदोलन करने की जरूरत न पड़े। किसानों को योजनाओं की घोषणा से ज्यादा स्थायी सुरक्षा, स्पष्ट अधिकार और जवाबदेह व्यवस्था की दरकार है। यदि किसानों की वर्तमान समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में फिर वही असंतोष उभर सकता है। सवाल केवल आज किसान को राहत देने का नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने का है जिसमें किसान कल भी सुरक्षित रहे और उसे अपने हक के लिए फिर सड़कों पर उतरने की मजबूरी न हो। किसानों की मांगों को लेकर एक साल से अधिक समय तक चले आंदोलन ने सरकार और किसान संगठनों के बीच जारी कशमकश को उजागर किया। लंबी खींचतान के बीच सबसे अधिक असर उस किसान पर पड़ा, जिसके हितों को लेकर आंदोलन शुरू किया गया था। आंदोलन के दौरान किसान को खेती-किसानी के साथ संघर्ष, आर्थिक दबाव और अनिश्चितता का सामना करना पड़ा।

सरकार और किसान संगठनों के बीच मांगों को लेकर बातचीत, विरोध और आंदोलन का दौर चलता रहा। किसान संगठन अपनी मांगों पर अड़े रहे, जबकि सरकार की ओर से समाधान के प्रयास और विभिन्न स्तरों पर चचाएं होती रहीं। लेकिन एक साल से अधिक समय तक चले संघर्ष ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि इस पूरी कशमकश में किसान को आखिर कितना स्थायी लाभ मिला।

अब पक्के कानून की जरूरत

एक साल से ज्यादा चले आंदोलन ने यह सवाल भी सामने रखा है कि किसानों के हितों को केवल सरकारी योजनाओं और घोषणाओं के भरोसे क्यों छोड़ा जाए। किसान संगठनों की मांग है कि प्रमुख किसान हितों को स्पष्ट और मजबूत कानूनी संरक्षण दिया जाए, ताकि सरकार बदलने या परिस्थितियां बदलने के साथ किसानों के अधिकार कमजोर न पड़ें। कई बार किसान लंबे संघर्ष के बाद मिली राहत के बाद आंदोलन से पीछे हट जाता है। समय बीतता है, नई योजनाएं आती हैं और पुरानी समस्याएं भुला दी जाती हैं। लेकिन यदि मूल समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो कुछ वर्षों बाद किसान फिर उसी संकट में पहुंच सकता है।

सबसे बड़ा बोझ किसान पर

सरकार और किसान संगठनों की राजनीतिक या रणनीतिक कशमकश चाहे जितनी लंबी चले, उसका सबसे बड़ा असर अंततः किसान पर ही पड़ता है। इसलिए जरूरत ऐसे समाधान की है जो आंदोलन समाप्त कराने भर तक सीमित न रहे, बल्कि किसान को भविष्य के संकट से भी सुरक्षा दे। सवाल अब यह है कि किसान को हर कुछ साल बाद आंदोलन के रास्ते पर जाना पड़ेगा या ऐसी पक्की कानूनी व्यवस्था बनेगी, जिससे उसे अपने अधिकारों के लिए बार-बार संघर्ष न करना पड़े।

चुनाव के पहले हमदर्द, सत्ता में आते ही क्यों बदल जाता है व्यवहार?

चुनाव के दौरान राजनीतिक दल जनता के बीच पहुंचकर उसके दुख-दर्द को अपना बताते हैं। किसान, मजदूर, कर्मचारी और आम नागरिक की समस्याओं पर सरकार को घेरने वाले नेता उस समय खुद को जनता का सबसे बड़ा हमदर्द साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म होते हैं और वही दल सत्ता में पहुंचते हैं, तस्वीर कई बार बदलती दिखाई देती है। सत्ता में आने के बाद आंदोलन, धरना, प्रदर्शन और विरोध की आवाज को कानून-व्यवस्था के नजरिए से देखा जाने लगता है। पुलिस कार्रवाई, नोटिस, हिरासत और मुकदमे जैसी बातें कई बार सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बन जाती हैं। सवाल यह है कि जो आवाज चुनाव से पहले लोकतांत्रिक अधिकार और जनता का संघर्ष कही जाती थी, वही सत्ता में आने के बाद परेशानी या कानून-व्यवस्था का मुद्दा क्यों बन जाती है? लोकतंत्र में सरकार बदलना ही पर्याप्त नहीं है, सरकार का रवैया बदलना भी जरूरी है। जनता को केवल चुनाव के समय हमदर्दी नहीं, बल्कि पूरे कार्यकाल में सम्मान और संवाद चाहिए। विरोध करने वाला हर व्यक्ति सरकार का दुश्मन नहीं होता। कई बार वही विरोध सत्ता को उसकी कमियां दिखाने का काम करता है।

ई-बस सेवा का विस्तार...10 नई बसों से बढ़ेगी फ्रीक्वेंसी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ भोपाल

शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (इउछछ) ने पीएम ई-बस सेवा का विस्तार किया है। सोमवार से शहर के तीन प्रमुख रूट पर 10 अतिरिक्त ई-बसों का संचालन शुरू किया गया है। नई बसों के शामिल होने के बाद शहर में पीएम ई-बस सेवा के तहत चलने वाली बसों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। अतिरिक्त बसों का संचालन बी-35, बी-36 और बी-37 रूट पर किया जाएगा। इन बसों के शुरू होने से यात्रियों को पहले की तुलना में कम समय में बस उपलब्ध होगी। खासतौर पर पीक आवर्स में बसों के बीच का अंतराल घटकर करीब 10 से 15 मिनट रह जाएगा। इससे यात्रियों को बस स्टॉप पर लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। बीसीएलएल के अधिकारियों के अनुसार ई-बस सेवा का विस्तार शहर में सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रदूषण-मुक्त और किफायती आवागमन के लिए ई-बस सेवा का अधिक से अधिक उपयोग करें।

भीड़ कम होने से सफर होगा आरामदायक

अभी बसों के बीच करीब 15 से 20 मिनट का अंतराल रहता था। अतिरिक्त बसें चलने के बाद यात्रियों को अधिक विकल्प मिलेंगे। इससे बसों में भीड़ का दबाव कम होने की उम्मीद है। यात्रियों को वातानुकूलित बसों में अधिक सुविधाजनक तरीके से सफर करने का मौका मिलेगा। नई सेवा का एक बड़ा फायदा शहर के प्रमुख परिवहन केंद्रों से कनेक्टिविटी को मिलेगा। बी-37 रूट बोर्ड ऑफिस चौराहा मेट्रो स्टेशन और आईएसबीटी को जोड़ता है, जबकि बी-36 रूट भोपाल रेलवे स्टेशन को बैरागढ़ चिचली और कोलार रोड क्षेत्र से जोड़ेगा।

चार दिन में दो आरोपियों से अवैध शराब जब्त

दैनिक अवन्तिका ▶▶ खरसौदकलां

क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों के साथ देसी-विदेशी शराब के अवैध कारोबार का सिलसिला जारी है। भाटपचलाना थाना पुलिस ने पिछले चार दिनों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों से 400 से अधिक क्वार्टर देसी शराब सहित हाथ से बनी कच्ची शराब जब्त की है।

भाटपचलाना थाना प्रभारी सत्येंद्रसिंह चौधरी ने बताया कि रतलाम जिले की ओर से सिनोद गांव तरफ से बाइक पर कच्ची शराब लेकर आ रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम दिनेश सोलंकी पिता लालू बताया। आरोपी के पास से बाइक पर 10 लीटर हाथ से बनी कच्ची शराब बरामद हुई। आरोपी नोगावा निवासी है और वर्तमान में रुनिजा में रहना बताया गया है।

इटली-स्पेन और इंग्लैंड के वर-वधु सनातन परंपरा के साथ बंधनों में बंधे

3 विदेशी जोड़ों ने की वैदिक संस्कारों से शादी

वैदिक रीति रिवाज से अग्नि के 7 फेरे लेकर 7 वचन भी लिए

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शनिवार को शहर से 12 किलोमीटर दूर इंदौर रोड स्थित निनोरा के आनंद वैलनेस रिट्रीट पार्क में योग गुरु डॉ. ओमानंद महाराज के पावन सानिध्य में इटली, स्पेन और इंग्लैंड के 3 विदेशी जोड़ों ने सनातन परंपरा अपनाकर अग्नि के सामने फेरे लेते हुए वैदिक रीति-रिवाज से शादी रचाई है। शादी से पूर्व तीनों ही जोडों का नामकरण संस्कार भी किया गया है। देर रात तक विवाह आयोजन संपन्न हुआ। वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में आकार लेते लेते अधूरी रह गई धार्मिक नगरी उज्जैन में विदेशियों का अनोखा विवाह समारोह काफी सुर्खियों में है। यहां सात समंदर पार से आए तीन विदेशी जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए और विवाह के पवित्र बंधन में बंधे।

पहले नामकरण संस्कार- डॉ. ओमानंद गुरु ने बताया कि योग और अध्यात्म के कारण विदेशों में भी उनके कई शिष्य हैं। वे समय-समय पर अपने शिष्यों को भारतीय संस्कृति और अटूट विवाह बंधन के महत्व के बारे में बताते रहते हैं। उनकी इसी सीख से प्रभावित होकर इटली, स्पेन और इंग्लैंड के तीन विदेशी जोड़ों ने सनातन धर्म अपनाकर परिणय सूत्र में बंधने की इच्छा जताई थी। वैदिक विवाह से पूर्व सभी तीन जोड़ों का नामकरण कर उन्हें भारतीय सनातन नाम दिए गए। पहला जोड़ा इटली के ईवा को ह्यदर्पण आनंदह्य और मास्सिमिलियानो को बलराम आनंद नाम दिया गया। दूसरा जोड़े में इटली के जेसिका को मां सीता आनंद और लुका को राम आनंद नाम दिया गया। तीसरा जोड़ा स्पेन व इंग्लैंड का था जिसमें स्पेन की इन्मा को मां शांति आनंद और इंग्लैंड के मार्क को प्रकाशानंद नाम दिया गया। इससे पूर्व वर्ष 2024 में भी डॉ. ओमानंद महाराज के परमानंद योग आश्रम में इटली, अमेरिका और पेरू के तीन जोड़ों ने सनातन परंपरा से विवाह रचाया था।

भारतीय संस्कृति ने प्रभावित किया-डॉ. ओमानंद गुरु ने बताया कि पश्चिमी देशों में शादी को महज एक लीगल कॉन्ट्रैक्ट (कानूनी अनुबंध) माना जाता है, जिसे लोग आसानी से तोड़ देते हैं। इसके विपरीत भारत में विवाह केवल दो शरीरों का नहीं, बल्कि आत्मा का संबंध माना जाता है, जिसे जीवन भर निभाया जाता है। भारतीय संस्कृति की इसी विशेषता ने विदेशियों को गहराई से प्रभावित किया।

बैल की मौत, परिवार हुआ भावुक... लिखा 'मिस यू भाई'

25 साल से साथ था, किसान परिवार ने दी अंतिम विदाई

दैनिक अवन्तिका ▶▶ देवास

देवास जिले के ग्राम बालोन में एक किसान परिवार ने गुरुवार को अपने बैल को भावुक विदाई दी। यह बैल 25 साल से परिवार के साथ था। उसकी मौत के बाद परिवार ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से बैल का अंतिम संस्कार किया। इसके बाद उसकी स्मृति में नुक्ता कार्यक्रम भी रखा और ग्रामीणों को भोजन के लिए आमंत्रित किया।परिवार ने अपने बैल कालू सिंह को परिवार के सदस्य की तरह विदाई दी। उसकी तस्वीर का बाकायदा फोटो फ्रेम बनवाया। जिसपर उन्होंने मिस यू भाई और स्वर्गीय कालू सिंह बैल लिखा। परिवार ने बताया कि यह बैल बचपन से ही उनके साथ था।

पूरे रीति-रिवाज से दी विदाई

बैल के निधन के बाद परिवार ने उसे सम्मान के साथ अंतिम विदाई देने का फैसला किया। वैदिक और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उसका अंतिम संस्कार किया गया। परिवार यहीं नहीं रुका। उसकी स्मृति में नुक्ता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें गांव के लोगों को भोजन के लिए आमंत्रित किया गया। ग्रामीण दौलतराम ने बताया, बैल हमारे घर का सदस्य था। वह पच्चीस वर्षों तक हमारे साथ रहा।

अब 30-31 अगसत को होगी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

ओरछा के होटल राजमहल में जुटेंगे दिग्गज, तैयारियों को लेकर ओरछा में हुई बैठक

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक इस बार ऐतिहासिक नगरी ओरछा में आयोजित होने जा रही है। यह दो दिवसीय बैठक 30 और 31 अगस्त को ओरछा के प्रतिष्ठित राजमहल पैलेस होटल और राजविलास होटल में होगी। बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए नेताओं का ओरछा पहुंचने का सिलसिला 29 अगस्त से ही शुरू हो जाएगा, जबकि मुख्य बैठक से पहले 25 अगस्त को एक अहम 'टोली बैठक' भी आयोजित की जाएगी।

शनिवार को ओरछा में संगठन के बड़े पदाधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक विशेष बैठक की। इस बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह और उपाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे। पूरी बैठक की व्यवस्थाओं की मुख्य जिम्मेदारी गौरव रणदिवे और शैलेन्द्र बरूआ को सौंपी गई है, जो सभी इंतजामों की खुद निगरानी कर रहे हैं।

प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे मुख्य आकर्षण

इस कार्यसमिति बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकार के ऐतिहासिक कामों पर आधारित एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी को तैयार करने और इसकी पूरी कमान संभालने की जिम्मेदारी पार्टी के वरिष्ठ नेता लोकेन्द्र पाराशर को दी गई है। इसके साथ ही, दो दिवसीय बैठक के दौरान रात्रिकालीन समय में अतिथियों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

ओरछा में 400 कमरों की बुकिंग

बैठक में आने वाले अतिथियों के लिए दो विशेष प्रकार की व्यवस्थाएं की गई हैं। ओरछा रेलवे स्टेशन से लेकर होटल तक नेताओं को ससम्मान पहुंचाने के लिए विशेष परिवहन की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण के साथ होगी, जिसके बाद सभी नेता प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे और फिर अपना पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) कराकर मुख्य सभागार में प्रवेश करेंगे। इस बैठक के लिए ओरछा क्लब एंड रिजॉर्ट, ओरछा पैलेस सहित विभिन्न होटलों में करीब 400 कमरे बुक कराए गए हैं।

भाजपा के करीब 400 नेता होंगे शामिल

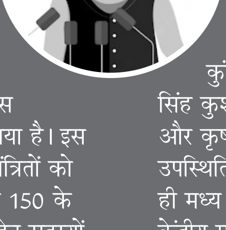

इस कार्यसमिति की कुल सदस्य संख्या की बात करें, तो इस बार प्रदेश कार्यसमिति में कुल 106 नियमित सदस्यों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, संगठनात्मक संतुलन और वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का लाभ लेने के लिए पार्टी ने 41 विशेष आमंत्रित सदस्यों को भी इस कार्यसमिति का हिस्सा बनाया है। इस तरह मुख्य सूची और आमंत्रितों को मिलाकर यह संख्या करीब 150 के पास पहुंचती है, लेकिन पदेन सदस्यों (सांसद, विधायक और अन्य) को जोड़ने के बाद पूरी बैठक में करीब 350 से 400 नेताओं की मौजूदगी रहेगी। बैठक के मुख्य मंच पर प्रदेश अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री और राज्य मंत्रिमंडल के तमाम कद्दावर कैबिनेट व राज्य मंत्री इस बैठक का हिस्सा बनेंगे, जिनमें प्रमुख रूप से तुलसीराम सिलावट, गोविंद सिंह राजपूत, विश्वास सारंग, कुंवर विजय शाह, नारायण सिंह कुशवाहा, प्रद्युम्न सिंह तोमर और कृष्णा गौर जैसे दिग्गज अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इनके साथ ही मध्य प्रदेश से आने वाले सभी केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी और राज्य के सभी भाजपा लोकसभा व राज्यसभा सांसद और विधायक भी ओरछा पहुंचेंगे।

विवेक ईश्वर तक पहुंचने की पहली सीढ़ी

यदि आपके पास विवेक नहीं, तो आप जीवन में किसी भी ऊंचाई पर नहीं पहुंच सकते। विवेक ईश्वर तक पहुंचने की पहली सीढ़ी है। आप कोई छोटा काम कीजिए या बड़ा, सफलतापूर्वक काम के लिए आपमें विवेक का होना सबसे आवश्यक है। यदि हममें विवेक हो, तभी हम भले-बुरे का भेद कर पाते हैं और किसी संबंध को अच्छे से चला पाते हैं। विवेक एक छोटा सा शब्द है, किंतु जब हमारे व्यवहार में आ जाए, तो यह हमें बहुत बड़ा बना देता है। विवेक की आवश्यकता लौकिक जीवन में भी है और भगवान के धाम जाने के लिए भी यह पहली सीढ़ी है।

ध्यान दीजिएगा, यदि मैं व्यावहारिक नहीं रहूं, तो हमारा संबंध एक दिन नहीं चले। संबंध चलाने के लिए बहुत सोचना-समझना पड़ता है। क्या ठीक है, क्या गलत है? क्या करना है? क्या नहीं करना है? कैसे बोलना है, कैसे नहीं बोलना है? हमारे प्रत्येक निर्णय में विवेक की आवश्यकता है, तभी हम किसी संबंध को ठीक से निभा पाते हैं, संबंध लंबा चला पाते हैं। विवेक से ही हम अपने लौकिक जीवन में भी उत्कर्ष प्राप्त कर पाते हैं। जीवन में उत्सव का मतलब केवल समय बिताना नहीं होता है, उत्सव वह है, जिससे हमारा रोम-रोम खिल जाए, रोम-रोम प्रसन्न हो। एक दूसरे से मिलकर, खाकर-खिलाकर, गाकर और सुनकर हमारा प्रेम बढ़े। उत्सव मनाने के लिए भी विवेक चाहिए। गाय पालने में भी विवेक की आवश्यकता है कि कैसे उससे दूध लेना है, कैसे कोमल भाव से, प्यार से व्यवहार करना है। अगर कोमलता से काम न किया जाए, तो गाय भी लात मारने लगती है। ठीक इसी तरह से पढ़ाई में विवेक चाहिए, नौकरी लेने और देने में विवेक चाहिए। किसी की बेटी लाने में या किसी को बेटी देने में भी विवेक की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। मनुष्य जीवन में एक कदम भी ऐसा नहीं है, जिसमें विवेक की जरूरत न पड़े। यदि हमें भगवान के धाम पहुंचना है, परम पद तक पहुंचना है, तो हमें विवेक का सहारा लेना ही पड़ेगा। यह न हो, तो सारा जीवन निरर्थक ही निकल जाता है। विवेक न हो, तो समझ में नहीं आता कि हम क्या बोलें, कहां बोलें, कैसे बोलें, कितना बोलें। बिना विवेक के व्यक्ति न पूरा धन कमा पाता है और न ज्ञान अर्जित कर पाता है, तो बिना विवेक के ईश्वर को कैसे पा सकता है? विवेक से ही हमें किसी को मान-सम्मान देना आता है। अतः भगवान के धाम में जाने के लिए जो सबसे पहला पायदान है, जो सबसे पहली सीढ़ी या सोपान है, उसका नाम विवेक है। हममें विवेक होना ही चाहिए। हमारे विकास का पहला सोपान विवेक है। विवेक से ही व्यक्ति अपने जीवन में हर प्रकार की सफलताओं को प्राप्त करता है।

सम्पादकीय

उबलती एक पीढ़ी

वह वीडियो लखनऊ में किसी ने शौकिया बनाया और देखते-देखते सोशल मीडिया में छा गया। हुआ यह कि कुछ बच्चियां अचानक अपने स्कूल से निकलीं और उन्होंने सड़क जाम कर दी। उनका कोई नेता नहीं था। इस धरने का कोई संयोजक या प्रायोजक नहीं था। वे बस निकल पड़ी थीं। उनकी शिकायत थी कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित उनके स्कूल में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, वे कैसे पढ़ें? वे जिस तार्किक ढंग से वहां पहुंचे अधिकारियों और अध्यापकों से जूझ रही थीं, वह आश्चर्यजनक था। उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि चारों ओर भयंकर जाम लग चुका है। वे वहां मौजूद पुलिस, भीड़ और अधिकारियों के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष दबाव से भी बेखौफ थीं। वे बस अपनी पीड़ा उन लोगों तक पहुंचाना चाहती थीं, जिन पर इन चिरागों को मशाल बनाने की जिम्मेदारी है। मामला लखनऊ का था, इसलिए योगी आदित्यनाथ की सरकार ने तत्काल उसका संज्ञान लिया। उनके स्कूल में पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था कर दी गई है।

इससे पूर्व राजस्थान के अलवर में भी ऐसा ही कुछ हुआ था। एक बालिका विद्यालय में अध्यापकों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की कमी से रुष्ट बच्चियां धरने पर बैठ गई थीं। समझाने आए गुरुजनों की उन्होंने एक नहीं सुनी, उल्टे उन्हें जमकर खरी-खोटी सुनाई। उनकी भी मांगें प्रशासन को तत्काल पूरी करनी पड़ीं। कन्नौज, पटना, सुगौली, उज्जैन आदि तमाम स्थानों पर यही देखने को मिल रहा है। जेन-जी और जेन-अल्फा क्यों उबले पड़ रहे हैं? ये परिघटनाएं यकायक उपजीं और थम गईं, लेकिन रांची में 26 दिनों तक बाकायदा छात्रों का आंदोलन चला। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) परीक्षाओं में अनियमितता के आरोप के साथ छात्र धरने पर बैठे थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकांश मांगें मान ली थीं। झारखंड पुलिस ने आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते सहित 20 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था और अन्य से पूछताछ की जा रही थी, लेकिन छात्र परीक्षा रद्द कराने पर अड़े थे। प्रदेश सरकार के सामने सबसे बड़ी दिक्कत यह थी कि उस परीक्षा में पास हुए लोग नौकरी में थे। उन्हें अचानक हटाया नहीं जा सकता था। सोमवार की रात सरकार ने यह मांग भी मान ली। हालांकि, बवंडर थमा नहीं। इससे नाराज वे लोग धरने पर बैठ गए, जिनकी नौकरी पर तलवार लटक गई। इनमें कई तो ऐसे हैं, जिन्होंने दूसरी सरकारी नौकरी छोड़कर वर्तमान पद परीक्षा के जरिये हासिल किया था।

विनम्रता में ही न्याय की असली ताकत

न्यायाधीश भगवान नहीं, इंसान हैं

सौरभ वार्ष्णेय
(दैनिक अवन्तिका)

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों, संसद और सरकार के कामकाज से नहीं मापी जाती। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से भी तय होती है कि देश का सामान्य नागरिक अपने अधिकारों और न्याय के लिए किस संस्था पर भरोसा करता है। जब शासन-प्रशासन से निराशा मिलती है, जब किसी व्यक्ति को लगता है कि उसकी बात कहीं नहीं सुनी जा रही, तब उसकी नजर अंततः अदालत की ओर जाती है। न्यायालय उसके लिए केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं, बल्कि अंतिम उम्मीद का दरवाजा होता है। इसलिए न्यायपालिका की जिम्मेदारी असाधारण रूप से बड़ी है।

इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस संजय करोल का विदाई समारोह में दिया गया संदेश विशेष महत्व रखता है। उन्होंने न्यायपालिका के मानवीय पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं हैं और उनसे हर मामले में बिल्कुल सही फैसला देने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। पहली नजर में यह कथन सामान्य लग सकता है, लेकिन इसके भीतर भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए एक गहरा संदेश छिपा है। न्यायाधीश का पद जितना शक्तिशाली है, उतना ही जिम्मेदारीपूर्ण भी है। इस शक्ति की वास्तविक गरिमा अचूक होने के दावे में नहीं, बल्कि विनम्रता, संवेदनशीलता और संविधान के प्रति निष्ठा में है।

न्यायाधीश भी आखिर इंसान ही हैं। वे कानून, संविधान, उपलब्ध साक्ष्यों, दस्तावेजों और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर निर्णय लेते हैं। उनके सामने आने वाला प्रत्येक मुकदमा अपनी परिस्थितियों में अलग होता है। कई बार तथ्य जटिल होते हैं, साक्ष्य अधूरे होते हैं और कानून की व्याख्या को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण संभव होते हैं। ऐसे में न्यायाधीश सर्वोत्तम संभव निर्णय देने का प्रयास करता है, लेकिन मनुष्य होने के नाते उससे भूल की संभावना को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। यही मानवीय वास्तविकता है।

इसलिए न्यायाधीशों को भगवान की तरह अचूक मानना न तो न्यायपालिका के हित में है और न ही लोकतंत्र के। न्यायाधीश के पद का सम्मान होना चाहिए, लेकिन व्यक्ति-पूजा नहीं। किसी न्यायाधीश के निर्णय पर प्रश्न उठाना और उसके तर्कों की संवैधानिक या कानूनी समीक्षा होना न्यायपालिका की कमजोरी नहीं, बल्कि स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। न्यायपालिका की शक्ति किसी व्यक्ति की अचूकता से नहीं, बल्कि संस्था की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवैधानिक मयार्दा से आती है।

जस्टिस करोल के संदेश का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष न्याय के मानवीय चेहरे से जुड़ा है। अदालत में आने वाला व्यक्ति केवल एक 'याचिकाकर्ताइ, 'प्रतिवादीइ, 'अपीलकर्ताइ या 'अभियुक्तइ नहीं होता। वह एक जीवित इंसान होता है, जिसके पीछे एक परिवार, संघर्ष, उम्मीद और कभी-कभी पूरी जिंदगी की पीड़ा छिपी होती है। किसी मुकदमे के कागजों के पीछे किसी मां की चिंता हो सकती है, किसी पिता की आखिरी उम्मीद हो सकती है, किसी मजदूर की रोजी-रोटी का सवाल हो सकता है या किसी परिवार के भविष्य का संकट हो सकता है।

न्यायालय में खड़ा व्यक्ति अक्सर पहले ही किसी कठिन परिस्थिति से गुजर चुका होता है। यदि वह आर्थिक रूप से कमजोर है, कानूनी प्रक्रिया से अनजान है या सामाजिक रूप से प्रभावशाली नहीं है, तो अदालत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उसके लिए न्यायालय केवल कानून की किताबों और प्रक्रियाओं का संसार नहीं, बल्कि वह स्थान है जहां उसे उम्मीद होती है कि कम से कम उसकी बात निष्पक्ष रूप से सुनी जाएगी।

यहीं से न्याय का मानवीय पक्ष सामने आता है। न्याय केवल यह नहीं है कि कानून की धारा क्या कहती है। न्याय यह भी है कि उस कानून को लागू करते समय परिस्थितियों, संवैधानिक मूल्यों और मानव गरिमा को कितना महत्व दिया गया। कानून का अक्षर आवश्यक है, लेकिन कानून की आत्मा को समझना भी उतना ही जरूरी है। यदि कानून की प्रक्रिया के बीच इंसान ही दिखाई देना बंद हो जाए, तो न्याय व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक सकती है।

भारतीय संविधान नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और गरिमा का अधिकार देता है। इसलिए न्यायालय का प्रत्येक निर्णय केवल दो पक्षों के बीच विवाद समाप्त करने का माध्यम नहीं होता, बल्कि वह संवैधानिक मूल्यों को व्यवहार में स्थापित करने का अवसर भी होता है। न्यायाधीश को इसी व्यापक दृष्टि के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करना होता है।

न्यायाधीश के लिए कानून का ज्ञान अनिवार्य है, लेकिन केवल कानून का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। न्यायिक विवेक, धैर्य, संवेदनशीलता, निष्पक्षता और विनम्रता भी उतनी ही आवश्यक हैं। कठोर कानूनी भाषा और न्यायिक गरिमा के बीच मानवीय संवेदना के लिए स्थान बना रहना चाहिए। अदालत की गंभीरता का अर्थ यह नहीं कि वहां संवेदना के लिए कोई जगह न हो।

इसीलिए जस्टिस करोल द्वारा न्यायाधीशों में विनम्रता की आवश्यकता पर जोर देना बेहद महत्वपूर्ण है। विनम्रता का अर्थ निर्णय लेने की क्षमता में कमजोरी नहीं है। इसके विपरीत, अपनी सीमाओं को समझना ही वास्तविक शक्ति है। जो व्यक्ति यह मानता है कि उससे कभी गलती नहीं हो सकती, वह आत्ममुग्धता का शिकार हो सकता है। लेकिन जो यह समझता है कि उसे हर मामले में पूरी सावधानी, निष्पक्षता और ईमानदारी से सर्वोत्तम निर्णय देने का प्रयास करना है, वही न्याय की वास्तविक भावना के करीब पहुंचता है।

आज भारतीय न्याय व्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियां हैं। अदालतों में लंबित मामलों का बोझ, न्यायिक प्रक्रिया की लंबाई, मुकदमों का खर्च, गरीब और सामान्य नागरिक के लिए कानूनी सहायता की कठिनाइयां तथा कानूनी प्रक्रिया की जटिलता ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान लगातार खोजा जाना चाहिए। आम नागरिक के लिए न्याय केवल उपलब्ध होना ही पर्याप्त नहीं है; न्याय समय पर और सम्मानजनक तरीके से उपलब्ध होना भी आवश्यक है।

कई बार वर्षों तक चलने वाला मुकदमा अपने आप में पीड़ा बन जाता है। न्याय में देरी का प्रभाव केवल अदालत के रिकॉर्ड पर नहीं पड़ता, बल्कि संबंधित परिवारों के जीवन पर पड़ता है। किसी व्यक्ति की संपत्ति, नौकरी, विवाह, शिक्षा, व्यवसाय या सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला यदि वर्षों तक लंबित रहता है तो उसका प्रभाव आने वाली पीढियों तक महसूस हो सकता है।

वजन मापने वाली मशीन

कसबे के उस सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बरामदे में लोहे की एक प्राचीन और महाकाय वजन मापने वाली मशीन ऐसे धरी थी जैसे किसी भ्रष्ट विभाग में पुरानी जाँच फाइलें दबी रहती हैं। उसका हरा रंग जगह जगह से इस तरह उखड़ चुका था जैसे किसी नेता के चेहरे से चुनाव जीतने के बाद नैतिकता का मुलम्मा उतर जाता है। उसका धुंधला डायल और सुई सत्य के उस सरकारी संस्करण की तरह थे जिसे जनता कभी साफ-साफ नहीं देख पाती। जब भी कोई कुपोषित मरीज उस मशीन के लोहे वाले पायदान पर खड़ा होता तो एक भारी कड़कड़ाहट की आवाज होती मानो कोई पुराना सामंती ढांचा दरक रहा हो और उसकी सुई झटके से बीस या तीस किलो के निशान पर जाकर ऐसे अटक जाती जैसे किसी क्लर्क की कलम रिश्वत के बिना अटक जाती है। उस अस्पताल के कोने में अपनी दवाइयों की फटी हुई पोटली सँभाले हरभजन काका रोज सुबह आठ बजे आकर ऐसे जम जाते थे जैसे किसी दफ्तर की कुर्सी पर बरसों से बैठा कोई निष्प्रयोजन अफसर बैठा हो। सफेद धोती-कुर्ता पहने और आँखों पर गोल चश्मा चढ़ाए काका का इकलौता महान राष्ट्रीय कर्तव्य उस मशीन के पायदान को कपड़े से पोंछना और दिन भर उस पर चढ़ने वाले नरकंकालों की संख्या को अपनी छोटी सी कॉपी में दर्ज करना था। गाँव के लोग जब भी अपनी बीमारी का मुफ्त मनोरंजन कराने अस्पताल आते तो काका को उसी बेकार तोलने वाली मशीन के पास तैनात पाते थे क्योंकि इस देश में हर बेकार वस्तु के संरक्षण के लिए एक निष्ठावान रक्षक पहले से तैयार रहता है। अस्पताल का नया कंपाउंडर जब भी मरीजों का बीपी नापने के लिए बाहर निकलता तो काका को उस जर्जर लोहे की खातिरदारी करते देख ऐसे अचरज में पड़ जाता जैसे कोई ईमानदार आदमी को देखकर चकित होता है। कंपाउंडर अक्सर काका पर व्यंग्य के बाण छोड़ते हुए पूछता कि काका इस घिसे-पिटे लोहे के

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 24 अगस्त 2026 सोमवार
सूर्योदय - 06:10 सूर्यास्त 18:48
श्रावण मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - द्वादशी दिन पूर्ण उपरांत द्वादशी
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 20:28 उपरांत उत्तराषाढा योग - प्रीति 07:04 उपरांत आयुष्मान करण - बव चन्द्रमा - धनु में है। 27:06 पर मकर में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - रवि उलावल मास 10 तारिख

मेष- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ- व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है।

मिथुन- जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क- अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

सिंह- शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

कन्या- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी।

तुला- कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक- प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी।

धनु- वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

मकर- विवाद को बढ़ावा न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। आय में निश्चितता रहेगी।

कुंभ- दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी।

मीन- व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है।

समसामायिक

महंगाई काबू में है, बस आम आदमी का बजट बेकाबू है

प्रो. आरके जैन
(दैनिक अवन्तिका)

रसोई का दरवाजा खुलते ही आज सबसे पहले बजट नजर आता है। चीनी महँगी है, तेल जेब का हिसाब बिगाड़ रहा है, दाल का हर निवाला सोचकर खाना पड़ रहा है और सब्जियों के बढ़ते दाम थाली का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। दूध की मलाई अब सामान्य सुविधा नहीं रही। महंगाई ने सवाल बदल दिया है—पहले पूछा जाता था, आज क्या पकाएँ; अब सोचना पड़ता है, क्या छोड़ें। रोटी अब सिर्फ भोजन नहीं, मासिक बजट का हिस्सा बन गई है। जरूरी चीजें महँगी हों तो सबसे पहले बचत घटती है, फिर इच्छाएँ सीमित होती हैं। सहनशीलता को ताकत कहा जाता है, लेकिन लगातार बढ़ती कीमतों के बीच वही मजबूरी बन जाती है।

सरकारी दावों और बाजार की हकीकत के बीच दूरी साफ दिखती है। महंगाई नियंत्रण में होने की बात कही जाती है, लेकिन किराने की दुकान पर उसका असर नहीं दिखता। आँकड़े प्रतिशत में राहत दिखा सकते हैं, पर परिवार का बजट रुपये में चलता है। दाल महँगी हो तो वैश्विक कारण, तेल बढ़े तो अंतरराष्ट्रीय बाजार का हवाला मिलता है। सवाल है, सस्ताई के समय यही वैश्विक परिस्थितियाँ असरदार क्यों नहीं दिखतीं? आम आदमी बिना किसी आर्थिक डिग्री के महंगाई समझता है। चीनी, तेल, दूध और प्याज के भाव से वह महीने का अनुमान लगाता है। उसके लिए महंगाई कोई आर्थिक शब्द नहीं, रोज का अनुभव है। यही सरकारी भाषा और रसोई की भाषा के बीच बढ़ते भरोसे के अंतर की वजह है।

महंगाई ने ऐसा मध्यमवर्ग खड़ा कर दिया है जिसकी आय स्थिर है, लेकिन जरूरतों की कीमत लगातार बढ़ रही है। कागज पर वह गरीब नहीं, पर महीने के अंत में आय-व्यय का हिसाब उसे असुरक्षित कर देता है। घरों में अब बच्चों को उन दिनों की सस्ती चीजों के बारे में बताना पड़ता है, जो कभी सामान्य थीं। सस्ता शब्द धीरे-धीरे अनुभव से निकलकर स्मृति बन रहा है। महंगाई का असर सिर्फ थाली पर नहीं, बचत, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं पर भी पड़ता है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो सपनों की जगह अपने आप छोटी हो जाती है। इस दबाव को केवल औसत आँकड़े पूरी तरह नहीं समझा सकते। महंगाई पर नियंत्रण के उपायों की कमी नहीं, लेकिन नतीजे सीमित हैं। गोदाम खोलने, आयात बढ़ाने, जमाखोरी पर कार्रवाई, बैठकों और घोषणाओं की खबरें आती रहती हैं। सरकारें कदम उठाती हैं, लेकिन उपभोक्ता को राहत तभी मिलती है जब बाजार की कीमत घटे। चुनावों में महंगाई रोकने के वादे होते हैं, फिर कुछ समय बाद वही चिंता लौट आती है। समस्या यह नहीं कि सरकार कुछ नहीं करती, बल्कि यह है कि प्रयास और आम आदमी को मिली राहत के बीच दूरी बनी रहती है। नियंत्रण की घोषणा तभी सार्थक है, जब उसका असर किराने की सूची पर दिखे। चीनी की पुड़िया और तेल की बोतल भाषण नहीं, कीमत समझते हैं। महंगाई ने परिवार की बातचीत और प्राथमिकताएँ बदल दी हैं। पहले घरेलू बजट एक व्यवस्था था, अब वह बदलती कीमतों से जूझता हिसाब बन गया है। पत्नी सब्जी, तेल और चीनी का अनुमान लगाती है, पति वेतन और बाकी खर्च का। समस्या एक ही है—जरूरतें अनेक, पैसा सीमित। कई परिवारों को भोजन की गुणवत्ता, बचत और छोटी इच्छाओं में से चुनाव करना पड़ता है। महंगाई सिर्फ चीजें महँगी नहीं करती, परिवार के फैसले भी बदलती है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और आकस्मिक जरूरतों के लिए पैसा कम पड़ता है। यही रोजमर्रा का दबाव महंगाई को आर्थिक से बढ़ाकर सामाजिक समस्या बनाता है।

लाइफस्टाइल की खराब आदतें होती हैं मुंह से आने वाली बदबू की वजह

अगर आप किसी से बात कर रहे हैं, साथ ही लगातार अपनी सांसों को लेकर परेशान हैं, तो यह स्थिति काफी असहज हो सकती है। इस समस्या की वजह से हमारी कुछ रोजमर्रा की खराब आदतें होती हैं। जिनको हम अनजाने में अपनाते हैं। मुंह से बदबू आने को चिकित्सकीय भाषा में हेलिटोसिस कहा जाता है। यह एक बेहद आम और परेशान करने वाली समस्या है। यह एक ऐसी समस्या है, जिससे व्यक्ति के सामाजिक जीवन और मानसिक आत्मविश्वास पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर आप किसी से बात कर रहे हैं, साथ ही लगातार अपनी सांसों को लेकर परेशान हैं, तो यह स्थिति काफी असहज हो सकती है। इस समस्या की वजह से हमारी कुछ रोजमर्रा की खराब आदतें होती हैं। जिनको हम अनजाने में अपनाते हैं। कई बार अनुचित खानपान, एक अनियमित लाइफस्टाइल और खराब मौखिक स्वच्छता इसके कुछ प्रमुख कारण हैं। अच्छी बात यह है कि यह लाइलाज बीमारी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है, जिसे सही जानकारी और कुछ आसान बदलावों से आसानी से ठीक किया जा सकता है। मुंह की बदबू का सबसे बड़ा कारण मौखिक साफ-सफाई न रखना है। इसके अलावा दिन में दो बार ब्रश न करना, फ्लॉसिंग और जीभ की सफाई न करने से परहेज करने से मुंह में बैक्टीरिया

पनपते हैं। जोकि बदबू का कारण बन सकते हैं। वहीं प्याज, लहसुन और शराब का सेवन भी दुर्गंध को बढ़ा सकता है। तंबाकू और धूम्रपान उत्पाद न सिर्फ दांतों को खराब करते हैं, बल्कि मुंह में लगातार बदबू भी पैदा कर सकते हैं। वहीं मुंह में कम पानी आने से मुंह सूखता है, जिससे लार का उत्पादन कम होता है और बैक्टीरिया बढ़ते हैं। कुछ मामलों में पेट की गड़बड़ी, मधुमेह या साइनेस इंफेक्शन के लक्षण होने पर मुंह से बदबू आ सकती है। वहीं अपर्याप्त नींद, अनियमित दिनचर्या, देर रात तक जागना, तनाव और लार का प्रवाह भी बदबू की समस्या को बढ़ा सकती है। ऐसे में इन कारणों को समझना और समाधान करना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि यह न सिर्फ मुंह से बदबू बल्कि आपकी पूरी सेहत को प्रभावित कर सकता है।

मुंह की बदबू से बचने के लिए मौखिक स्वच्छता अपनाना चाहिए। इसके लिए दिन में दो बार ब्रश करें और जीभ को स्क्रेपर से साफ करना चाहिए। वहीं फ्लॉसिंग से दांतों के बीच की गंदगी को हटाना चाहिए और पर्याप्त मात्रा में पानी भी जरूरी है। दिन में 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए, क्योंकि यह लार उत्पादन को बढ़ाता है। वहीं बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में भी लार अहम भूमिका निभाती है। आप चाहें तो माउथवॉश का भी इस्तेमाल कर सकती हैं, यह बैक्टीरिया को भी कम करता है।

हर व्यक्ति को संतुलित आहार लेना चाहिए, जिनमें फल, हरी सब्जियां और प्रोबायोटिक्स युक्त खाद्य पदार्थ जैसे दही शामिल करना चाहिए। धूम्रपान और तंबाकू से बचना चाहिए। क्योंकि यह मुंह में बदबू को बढ़ाते हैं और मसूड़ों की बीमारियों का भी कारण बनते हैं। वहीं पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन से लार का प्रवाह सामान्य है। वहीं अगर लगातार समस्या बनी रहती है, तो डेंटिस्ट से परामर्श करें।

धर्म-आस्था

सावन में क्यों जाग उठती है शिव-भक्ति?

अजय कुमार बियानी
(दैनिक अवन्तिका)

चातुर्मास केवल पूजा-पाठ का समय नहीं, बाहर की भागदौड़ रोककर भीतर की यात्रा शुरू करने का संदेश भी देता है

सावन आते ही वातावरण में जैसे शिवमय भाव उतर आता है। मंदिरों में घंटियों की गूंज बढ़ जाती है, शिवलिंग पर जलाभिषेक होने लगता है और चारों ओर हर-हर महादेव का जयघोष सुनाई देता है। प्रश्न स्वाभाविक है कि सावन में ही भगवान शिव की आराधना इतनी विशेष क्यों हो जाती है?

इसके पीछे केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति, साधना और आत्मचिंतन से जुड़ी गहरी भावना भी दिखाई देती है। सनातन परंपरा में आषाढ़ शुक्ल एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी, अर्थात देवउठनी एकादशी तक विश्राम करते हैं। इसे भगवान का संसार से विमुख होना नहीं समझना चाहिए। यह एक प्रतीकात्मक व्यवस्था है, जो बताती है कि सृष्टि में अलग-अलग समय पर अलग-अलग आध्यात्मिक शक्तियों और साधनाओं का महत्व बढ़ता है। इसी अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। सावन इसी चातुर्मास का प्रमुख महीना है और भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है।

सावन वर्षा ऋतु का समय है। तपती धरती को पानी मिलता है, नदियां और जलस्रोत भरने लगते हैं और चारों ओर हरियाली छा जाती है। ऐसा लगता है जैसे प्रकृति स्वयं शिव का अभिषेक कर रही हो। इसी भाव से सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा विशेष महत्व रखती है। बेलपत्र, धतूरा और अन्य पूजन सामग्री के साथ भगवान शिव की आराधना की जाती है।

लेकिन शिव को जल चढ़ाने का अर्थ केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। इसे मन की गर्मी को शांत करने का प्रतीक भी माना जा सकता है। क्रोध, अहंकार, लोभ और अशांति से तपते मन पर भक्ति और संयम का जल डालना ही वास्तविक शिव-आराधना है।

भगवान शिव का स्वरूप भी हमें अनेक संदेश देता है। उनकी जटाओं से बहती गंगा जीवन के निरंतर प्रवाह का प्रतीक है। मस्तक पर विराजमान चंद्रमा शीतलता का संदेश देता है। नीलकंठ त्याग और विष को सहने की क्षमता का प्रतीक है, जबकि ध्यानमग्न स्वरूप भीतर की शांति की प्रेरणा देता है। चातुर्मास को लेकर अक्सर कहा जाता है कि भगवान विष्णु के योगनिद्रा में जाने के बाद भगवान शिव की भूमिका बढ़ जाती है। इसे शाब्दिक अर्थ में देवताओं की भूमिकाओं का बदलना समझना उचित नहीं होगा।

सनातन दर्शन में भगवान विष्णु पालन और संरक्षण की शक्ति के प्रतीक हैं, जबकि भगवान शिव परिवर्तन, वैराग्य, संहार और कल्याण के प्रतीक माने जाते हैं। चातुर्मास हमें यह संकेत देता है कि जीवन में हर समय एक ही प्रकार की ऊर्जा प्रधान नहीं रहती। कभी बाहरी गतिविधियां आवश्यक होती हैं और कभी स्वयं के भीतर लौटना। इसीलिए चातुर्मास को आत्मसंयम, व्रत, जप, तप और स्वाध्याय के लिए महत्वपूर्ण माना गया है।

प्राचीन समय में वर्षा ऋतु में यात्राएं कठिन होती थीं। साधु-संत चातुर्मास के दौरान एक ही स्थान पर रहकर साधना करते थे। यह व्यवस्था धीरे-धीरे आध्यात्मिक अनुशासन का रूप बन गई।

इस परंपरा का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है—जब बाहर की परिस्थितियां हमें कुछ समय के लिए रोकें, तब उस समय का उपयोग भीतर देखने के लिए किया जाए।

आज मनुष्य लगातार भाग रहा है। काम, परिवार, इच्छाएं, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक जीवन के बीच स्वयं से मिलने का समय कम होता जा रहा है। सावन हमें कुछ क्षण ठहरने और अपने भीतर झांकने का अवसर देता है। शिव की आराधना का वास्तविक अर्थ भी शायद यही है कि मनुष्य अपने भीतर के अहंकार और अशांति का त्याग करे।

शिवलिंग पर गिरती जलधारा हमें निरंतरता का संदेश देती है। एक बूंद छोटी होती है, लेकिन लगातार गिरती बूंदें भी अपना प्रभाव छोड़ती हैं। इसी तरह रोज की थोड़ी-सी साधना, संयम और सद्विचार मनुष्य के व्यक्तित्व में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। चातुर्मास और सावन की परंपरा हमें प्रकृति के साथ तालमेल बैठाना भी सिखाती है। वर्षा के समय प्रकृति विश्राम और पुनर्निर्माण की अवस्था में होती है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6650 विशाल 6350 से 6425 डंकी चना 6000 से 6100मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7600 से 7800 महाराष्ट्र लाल 7900 से 8100 कर्नाटक 8000से 8200 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7000 से 7200 मूंग बेस्ट बोल्ड - 7400 से 7600 मीडियम बोल्ड 7300 से 7400 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9100 से 9200 उड़द गर्मी 8600 से 9000 ग्रेविटी क्लीन 9300 से 9700 हल्का उड़द 4000 से 6000काबुली डॉलर 7500 से 8900 काबुली रशियन 6200 से 6400 बिटकी 5890 से 6000सरसों निमाड़ी 8100 से 8200 रायडा 7100 से 7300 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 6700 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से 2700 लोकवन 2900 से3100 पूर्णा 2750 से 2800 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 2325 से 2350 चना दाल 7450 से 7550 मीडियम 7850 से 7950 बेस्ट 8050 से 8350 तुअर दाल 7000 से 7100 मीडियम 8000 से 8300 बेस्ट 9600 से 9900 एक्स्ट्रा बेस्ट 10700 से 10800 ब्रांडेड 12300 मूंग दाल 8700 से 8800 बेस्ट 8900 से 9000 मूंग मोगर 10700 से10800 बेस्ट 10900 से 11000

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,52,800 रवा- 1,52,500 चांदी- टंच- 2,36,500 पाट- 2,35,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

जिला बाल कल्याण समिति की बैठक 25 को

आगर मालवा। मिशन वात्सल्य (समेकित बाल संरक्षण योजना) के क्रियान्वयन की समीक्षा एवं समन्वय के लिए कलेक्टर डॉ.शेर सिंह मीना की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2026, मंगलवार को दोपहर 1:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, आगर-मालवा में आयोजित की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजीव गुप्ता ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

श्री नीलकंठेश्वर महादेव से निकली कावड़ यात्रा

बिछड़ौद। नगर में अतीप्राचीन श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर परिसर से श्री महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन तक एक दिवसीय कांवड यात्रा का आयोजन हुआ। जिसमें गांव के सैंकड़ों ग्रामीण श्री नीलकंठेश्वर महादेव का दर्शन-पूजन कर बिछड़ौद से लेकर उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर तक करीब 35 किमी की पैदल कावड़ यात्रा के रूप में पहुंचे। जिसमें ग्रामीण युवा गंगाजल से भरे कलश लिए श्री महाकालेश्वर के जयकारे लगाते चले। यात्रा का गांव के ग्रामीणों ने जगह- जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। बिछड़ौद से महाकालेश्वर मंदिर पहुंची कांवड यात्रा में श्रद्धालुजनों ने महाकाल का दर्शन- पूजन और जलाभिषेक कर घर-परिवार और समाज में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहने की कामना की गई। यात्रा में गांव के सैकड़ों श्रद्धालु आदि शामिल हुई।

मिलाद उन नबी पर्व पर चल समारोह निकला

खाचरोद। नगर में बोहरा समाज द्वारा मिलाद उन नबी पर्व पर भव्य चल समारोह आमिल सा. के नेतृत्व पर निकाला गया। चल समारोह में समाजजन सफेद पोशाक धारण कर बैंड ओर घोष दल के साथ अनुशासन में निकला। बोहरा मस्जिद से नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ निकला।

बाबा श्याम की निशान यात्रा धूमधाम से निकली

खाचरोद। नगर के नीलकंठ महादेव मंदिर से बांगरोद खाटू श्याम मंदिर तक पैदल यात्रा नगर के प्रमुख से डोल धमाके व डीजे को लेकर निकली। ग्यारस पर्व पर बाबा श्याम की ध्वज का पूजन नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर किया गया। चल समारोह में अधिक संख्या में भक्तजन निकले।

भीकमपुर तक निकली कावड़ यात्रा

खाचरोद। 12 वर्षों से निरंतर पूर्व पार्षद श्री निर्मल जी सोनी परिवार द्वारा आयोजित श्री राम मंदिर से भिकमपुर तक कावड़ यात्रा पूजन के साथ निकली। कावड़ यात्रा में डोल डीजे के साथ भोलेनाथ का पात्र स्वरूप सज धज के साथ निकला ।यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई कुम्हारवाड़ी पर स्थित आश्रम पर स्वागत स्वल्पाहार कर भीकमपुर के लिए निकली। भीकमपुर में आरती व अभिषेक कर भक्तजन का भोजन प्रसादी ग्रहण की गई। कावड़ यात्रा का स्वागत स्वर्णकार समाज, भाजपा एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा किया गया।

आगर में उमड़ेगा धर्म आस्था और विश्वास का जन सैलाब

बाबा बैजनाथ की भव्य शाही सवारी आज निकलेगी, प्रशासन ने की तैयारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर-मालवा

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को राजाधिराज बाबा बैजनाथ महादेव की भव्य शाही सवारी निकलेगी। इस भव्य शाही सवारी में बाबा बैजनाथ पालकी में सवार होकर आगर की प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकलेंगे। भव्य शाही सवारी में सोमवार को आगर नगर में धर्म आस्था और विश्वास का जन सैलाब उमड़ेगा। भव्य शाही सवारी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने जन सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण की सभी आवश्यक प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई है।

पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में शाही सवारी को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं ।सवारी मार्ग, मंदिर परिसर, पार्किंग स्थल, डायवर्जन पॉइंट, बैरिकेडिंग और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। अधिकारियों को श्रद्धालुओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रविंद्र कुमार बोयत ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि बाबा बैजनाथ की भव्य शाही सवारी में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए मुख्य द्वार से वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा बाबा बैजनाथ मंदिर के मुख्य द्वार से वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यहां से केवल पैदल श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा। अशक्त,बुजुर्ग, बीमार और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुख्य द्वार से ऑटो के माध्यम से प्रवेश की व्यवस्था रहेगी।

वाहन पार्किंग व्यवस्था

भव्य शाही सवारी में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पाटीदार हॉस्टल के पास, नवीन अजाक थाना के पास, हेलीपेड पार्किंग, वेयर हाउस पार्किंग, कसाई देहरिया मार्ग स्थित मेला ग्राउंड को प्रमुख पार्किंग स्थल बनाया गया है
सोयत सुसनेर और कोटा रोड की ओर से आने वाले श्रद्धालु अपने वाहन निपानिया जोड़ से निपानिया पंचायत भवन होते हुए नवीन पार्किंग में वाहन खड़े किए जा सकेंगे । शाजापुर, सारंगपुर और कानड़ की ओर से आने वाले वाहनों के लिए जेल के पीछे और हेलीपेड पार्किंग निर्धारित की गई है ।जेल के पीछे ट्रैक्टर, पिकअप, लोडिंग वाहन और बस तथा हेलीपेड पर कार और दोपहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे। उज्जैन, आगर शहर और बड़ौद रोड की ओर से आने वाले वाहनों के लिए पाटीदार हॉस्टल, जेल के पास टर्निंग, साई पॉइंट के सामने तथा औद्योगिक क्षेत्र रोड-1 और रोड-2 से निर्धारित मार्गों के अनुसार यातायात व्यवस्था रहेगी।

बड़े वाहनों के लिए डायवर्जन

शाही सवारी के दौरान यातायात की स्थिति के अनुसार बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर उन्हें वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। कोटा और सुसनेर की ओर जाने वाले वाहनों को तनोड़िया से पिपलोन मार्ग की ओर डायवर्ट किया जाएगा। उज्जैन की ओर जाने वाले वाहनों के लिए आमला से नलखेड़ा और कानड़ मार्ग का उपयोग कराया जाएगा। कानड़ से आगर आने वाले वाहनों को दुपाड़ा-पचलाना जोड़ से आमला की ओर डायवर्ट किया जाएगा। बड़ौद रोड से सुसनेर, झालावाड़, कोटा, नलखेड़ा और कानड़ की ओर जाने वाले वाहनों को झोंटा से बीजानगरी होते हुए सुसनेर रोड-नलखेड़ा वाहनों की ओर भेजा जाएगा।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय आकली सुसनेर में शनिवार को सिविल अस्पताल एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विशेष शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच के साथ-साथ मच्छरजनित एवं संक्रामक बीमारियों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। शिविर के प्रारंभ में विद्यालय के उपप्राचार्य ए.के. पाठक (अखिलेश कुमार पाठक) ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का स्वागत किया तथा विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने के लिए पूरी टीम का धन्यवाद किया।

शिविर के दौरान विद्यालय परिसर में मच्छररोधी दवा का छिड़काव किया गया। विद्यार्थियों को चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के लक्षण, फैलने के तरीके, बचाव एवं उपचार के संबंध में स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गई। इसके साथ ही पूरे परिसर में फीवर सर्वे एवं वार्ड सर्वे किया गया तथा आवश्यक सैंपल टेस्ट भी किए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें कुल 50 विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसके अतिरिक्त आरडी किट के माध्यम से मलेरिया की जांच भी की गई। विद्यार्थियों को स्वच्छता बनाए रखने, मच्छरों से बचाव करने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए जागरूक किया गया।

स्वस्थ रहना सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक

शिविर में जिला स्तर से डॉ. नरेंद्रसिंह परिहार, जिला महामारी एवं नियंत्रण अधिकारी, श्रीमती प्रेमलता डाबी, जिला मलेरिया अधिकारी, श्रीमती रानी उडके, आईडीएसपी डेटा मैनेजर, राममनोहर यादव, लैब टेक्नीशियन तथा हेमंत मालवीय, डीआईओ उपस्थित रहे। विकासखंड सुसनेर की स्वास्थ्य टीम में डॉ. अखिलेश कुमार वाणी, बीएमओ, डॉ. बी.बी. पाटीदार, पीजीएमओ, मुकेश सूर्यवंशी, बीसीएम, श्रीमती रीना योगी, एएनएम, महेंद्र सूत्रकार, एएनएम, अमन शर्मा, एलटी, बलराम पाटीदार, एलटी तथा श्रीमती सुनीता कारपेंटर, आशा कार्यकर्ता ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। विद्यालय के प्राचार्य अब्दुल अजीज ने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का स्वस्थ रहना उनके शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय में इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता एवं परीक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। शिविर का आयोजन विद्यालय प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए संस्थानों का निरीक्षण कर नमूने लिए

आगर-मालवा। खाद्य सुरक्षा आयुक्त एवं कलेक्टर डॉ शेर सिंह मीना के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा जिले में निरंतर निरीक्षण एवं नमूना लेने की कार्रवाई की जा रही है। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए नमूने लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

आगर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बी.एस. जामोद ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा गत दिवस की गई कार्रवाई में गीता ट्रेडर्स से वस्तु ब्रांड के घी के 02 नमून,राहुल दूध डेयरी से पनीर का नमूना,सांवरिया दूध डेयरी से दूध का नमूना,जैन दूध डेयरी से पनीर का नमूना, श्री महाकाल किराना स्टोर से सूजी का नमूना,देवनारायण दूध डेयरी से दूध का नमूना, होटल मोंटो से पनीर एवं चीज का नमूना,बीकानेर स्वीट्स से मिष्ठान्न (स्वीट्स) का नमूना इस प्रकार कुल 10 नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल को भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जावेगी

नगर के होनहारों को भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ने किया सम्मानित

सुसनेर। शनिवार को नगर के दो होनहार युवाओं का नीट परीक्षा क्लियर कर एमबीबीएस में प्रवेश होने पर भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष साक्षी विक्रम सकलेचा के मुख्य आतिथ्य में स्थानीय न्यू बस स्टैंड सुसनेर के समीप स्थित भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आशा भावसार के कार्यालय पर सम्मान किया गया। नगर के दो होनहार देवयश पांडे पिता योगेश पांडे एवं क्षितिज जैन पिता संजय जैन का नीट में चयन होकर एमबीबीएस में प्रवेश होने पर भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष साक्षी विक्रम सकलेचा के मुख्य आतिथ्य में दोनों नगर के होनहारों का शॉल श्रीफल ओर तिलक लगाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आशा भावसार ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि साक्षी सकलेचा ने नगर के दोनों होनहार युवाओं को शुभकानाएं देकर क्षेत्र का नाम रोशन करने पर हर्ष व्यक्त कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में भाजपा मंडल मीडिया सह प्रभारी सिया भावसार, रेखा भावसार, आरती भावसार एवं निवेदिता भावसार सहित जेन जी की युवा युवतियां उपस्थित थी। अंत में आभार भाजपा नेता विष्णु भावसार ने किया।

राजयोग द्वारा मन की शांति संभव-भगवान भाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

ब्रह्माकुमारी शहीद कॉलोनी सेवा केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोग द्वारा अपने कर्मेन्द्रियों पर संयम कर कर्म में कुशलता से सकारात्मक चिंतन, सकारात्मक वृति और दृष्टिकोण की उपलब्धि होती हैं जिससे हम व्यर्थ से बच सकते हैं।

राजयोग के अभ्यास द्वारा तनाव मुक्त बन हम अनेक मानसिक और शारीरिक बीमारियों से स्वंम को बचा सकते हैं। मानसिक और शारीरिक बीमारियों से बचने का राजयोग एक कवच कुंडल हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के मुख्यालय माउंट आबू राजस्थान से पधारे ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने कहे वे यहा स्थानीय ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में एकत्रित ईश्वर प्रेमी भाई बहनों को राजयोग का जीवन में महत्व विषय पर बोल रहे थे। भगवान भाई ने राजयोग की विधि बताते हुए कहा कि स्वंम को आत्मा निश्चय कर चाँद, सूर्य, तारांगण से पार रहनेवाले परमशक्ति परमात्मा को याद करना, मन-बुद्धि द्वारा उसे देखना, उनके गुणों का गुणगान करना ही राजयोग हैं। राजयोग के द्वारा हम परमात्मा के मिलन का अनुभव कर सकता हैं। उन्होनें कहा की राजयोग के अभ्यास द्वारा ही हम काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, घृणा, नफरत आदि मनोविकारों पर जीत प्राप्त कर जीवन को अनेक सद्गुणों से ओतप्रोत वा भरपूर कर सकते हैं। राजयोग के द्वारा मन को दिशा निर्देशन मिलती हैं जिससे मन का भटकना समाप्त हो जाता हैं। राजयोगी भगवान भाई ने अपने अनुभव के आधार से बताया की राजयोग के अभ्यास से विपरीत परिस्थिति में भी सकारात्मक चिंतन के द्वारा मन को एकाग्र किया जा सकता है।

देवास में मोटर सुधारने के पैसों पर पड़ोसियों में विवा

देवास। देवास के भौंरासा स्थित संजय नगर में शनिवार रात मोटर सुधारने के पैसों को लेकर दो पड़ोसी पक्षों के बीच हिंसक विवाद हो गया। इस झड़प में दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसमें एक महिला के चेहरे पर धारदार हथियार से हमला किया गया। घायल महिला को गंभीर चोटें आईं, जिसके चेहरे पर करीब 10 टांके लगाए गए।

अल्प वर्षा के बावजूद लहलहा रही फसल, कहीं फूल तो कहीं फलियां

दैनिक अवन्तिका ▸▸ कानड़

क्षेत्र में इस मानसून अब तक हुई अल्प वर्षा के बावजूद खेतों में सोयाबीन की फसल लहलहा रही है। मौसम की बेरुखी के बीच जिन खेतों की फसल रोग और कीट प्रकोप से बची है, वहां सोयाबीन की स्थिति फिलहाल अच्छी नजर आ रही है। कहीं फसल में फूल आने लगे हैं। कई खेतों में फलियां भी दिखाई देने लगी हैं। इस बार मानसून की अपेक्षाकृत कम बारिश के कारण किसानों की चिंता बढ़ी हुई है। क्षेत्र के कई जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं आने से सिंचाई के साधनों पर भी दबाव बना हुआ है। इसके बावजूद जिन खेतों में नमी रही, वहां फसल बेहतर स्थिति में है।

जिला न्यायालय में स्वास्थ्य व जागरूकता शिविर संपन्न

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर-मालवा

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री डी.एस. चौहान के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला न्यायालय परिसर स्थित मध्यस्थता कक्ष में वृहद स्वास्थ्य परीक्षण सह विधिक जागरूकता शिविर (मेगा हेल्थ कैंप) आयोजित किया गया।

शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.एस. चौहान ने किया। शिविर में लगभग 200 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षणकिया गया तथा 93 लोगों की आभा आईडी बनाई गई। शिविर में जिला चिकित्सालय आगर की टीम द्वारा बीपी, शुगर, ब्लड टेस्ट, नेत्र परीक्षण, नाक-कान-गला, अस्थि रोग, मेडिसिन, स्त्री रोग एवं त्वचा रोग संबंधी जांच व परामर्श दिया गया। चिकित्सकीय दल में डॉ. आर.एल. मालवीय, डॉ. शशांक सक्सेना, डॉ. विजय सागरिया, डॉ. सरदार इन्स्के, डॉ. आशा सोलंकी, डॉ. विशाल अग्रवाल एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित था। इस अवसर पर प्रथम जिला न्यायाधीश नीति राज सिंह सिसौदिया, द्वितीय जिला न्यायाधीश मधुसूदन जंघेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अश्विनी सिंह सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, न्यायालयीन कर्मचारी एवं पैरालीगल वॉलंटियर्स उपस्थित थे।

गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में कलश वंदन यात्रा

आगर-मालवा। संत शिरोमणि गुरु श्री रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान एवं कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ 21 अगस्त 2026 को जिला मुख्यालय आगर पर किया गया है। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण श्री शेखर उइके ने जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा का आगमन प्रथम दिवस ग्राम पूरासाहब नगर, जेतपुरा, भ्याना, सेमली होते हुए ग्राम कुण्डला में हुआ। ग्राम के प्रमुख मार्गों से कलश यात्रा निकाली गई। ग्रामीणजनों द्वारा अपने-अपने घरों के सामने कलश की पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात विराजी महाराज चौक पर सभा आयोजित की गई। यात्रा ने पालड़ा, बागरी खेड़ा, नेन्याखेड़ी, कानड़, गाजरिया, चांदनगांव में भ्रमण किया तथा रात्रि विश्राम कानड़ में होगा। यात्रा तहसील नलखेड़ा के ग्राम बड़ागांव सहित अन्य ग्रामों में प्रवेश करेगी। यह यात्रा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण करेगी।

कांवड़ एवं कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

श्रद्धालुओं ने 10 किलोमीटर की पदयात्रा कर पंचदेहरिया महादेव का किया जलाभिषेक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

सावन माह के अंतिम दौर में शनिवार को सुसनेर नगर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में पूरी तरह डूबा नजर आया। श्री शिवशक्ति कांवड़ एवं कलश यात्रा संघ समिति के तत्वावधान में मनकामनेश्वर महादेव मंदिर से पंचदेहरिया महादेव तक निकली ऐतिहासिक कांवड़ एवं कलश यात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

युवाओं के कंधों पर सजी कांवड़, महिलाओं के सिर पर जल से भरे कलश, हाथों में भगवा पताकाएं और चारों ओर गूंजते हर-हर महादेव, बम लहरी और शिव शंभू के जयघोष ने पूरे नगर को शिवमय कर दिया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने करीब 10 किलोमीटर की पदयात्रा कर पंचदेहरिया महादेव पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। यात्रा के दौरान नगर की सड़कें श्रद्धालुओं से पटी रहीं। जगह-जगह स्वागत मंच बनाए गए थे, जहां विभिन्न समाजों, संगठनों और नागरिकों ने कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

यात्रा में सामाजिक एवं सांप्रदायिक सद्भाव की अनूठी तस्वीर भी देखने को मिली। पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में मुस्लिम समाजजनों ने कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी देखने को मिला। कांवड़ यात्रा के दौरान किन्नर समाज की ओर से भी भगवान मनकामनेश्वर महादेव के चरणों में श्रद्धा अर्पित की गई। किन्नर समाज की संध्या बुआ के माध्यम से मनकामनेश्वर महादेव मंदिर में 11 किलो वजन का घंटा अर्पित किया गया। किन्नर समाज के सदस्य कांवड़ यात्रा में उत्साहपूर्वक शामिल हुए। वे नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं के साथ यात्रा में आगे बढ़े और कांवड़ यात्रियों का स्वागत भी किया।

महारुद्राभिषेक के साथ शुरू हुई यात्राः

कांवड़ एवं कलश यात्रा की शुरूआत शनिवार सुबह करीब 11 बजे डॉक बंगला रोड स्थित सिंचाई विभाग परिसर में बने श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं महारुद्राभिषेक के साथ हुई। भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन कर कांवड़ यात्रा को रवाना किया गया। यात्रा शुरू होने से पूर्व श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष का वितरण भी किया गया। पूजा-अर्चना के बाद जैसे ही कांवड़ यात्रियों ने भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ यात्रा शुरू की, पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थीं, वहीं युवा और अन्य श्रद्धालु कंधों पर कांवड़ थामे भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे।

गूंजते रहे हर-हर महादेव के जयकारे

मनकामनेश्वर महादेव मंदिर से शुरू हुई यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पंचदेहरिया महादेव मंदिर पहुंची। करीब 10 किलोमीटर की इस पदयात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। तेज बारिश, धूप और लंबी दूरी की परवाह किए बिना शिवभक्त पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल रहे। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह स्वागत मंच लगाए गए थे। नागरिकों ने कांवड़ यात्रियों के लिए स्वल्पाहार, पेयजल आदि की व्यवस्था की। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा की गई। डीजे की धुन और भजनों के बीच युवा एवं महिलाएं भक्ति में झूमते हुए आगे बढ़ते रहे। पंचदेहरिया महादेव पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने कांवड़ में लाए पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगर के श्रद्धालु पंचदेहरिया महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान का जलाभिषेक कर रहे थे। कांवड़ यात्रा के पहुंचने के बाद मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ और बढ़ गई।

आगर में टैक्सी यूनियन ने निकाली वाहन रैली

आगर-मालवा। आगर-मालवा में सावन के अंतिम सोमवार को निकलने वाली बाबा बैजनाथ महादेव की शाही सवारी और 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति उत्साह देखा गया। रविवार को टैक्सी यूनियन ने शहर में एक विशाल वाहन रैली निकाली। इसका उद्देश्य शाही सवारी में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना और देशभक्ति का संदेश देना था। यह रैली बस स्टैंड से बैंड-बाजे के साथ शुरू हुई, जिसमें बड़ी संख्या में टैक्सी वाहन शामिल थे। इन वाहनों पर तिरंगे के साथ बाबा बैजनाथ महादेव के ध्वज भी लगाए गए थे। रैली शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और मोहल्लों से होकर गुजरी। रैली के दौरान वाहन चालकों और यूनियन सदस्यों में खासा उत्साह दिखा। वाहनों में लगे साउंड सिस्टम के माध्यम से लोगों से शाही सवारी में परिवार सहित शामिल होने की अपील की गई। तिरंगे और बाबा बैजनाथ महादेव के ध्वज एक साथ दिखने से धार्मिक आस्था के साथ देशभक्ति का संदेश भी प्रसारित हुआ।

जवेरी की फिल्म में भाग्यश्री नहीं

साउथ की चर्चित अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे और बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर के बारे में पिछले दिनों एक खबर आई थी कि दोनों डायरेक्टर मिलाप जवेरी की आगामी फिल्म में साथ काम करने वाले हैं। इस फिल्म को टी-सीरीज प्रोड्यूस कर रहा है, जिसके प्रवक्ता ने भाग्यश्री को लेकर नया अपडेट दिया है। बताया गया है कि आदित्य के साथ टी-सीरीज और मिलाप जवेरी जो फिल्म बना रहे हैं, उसमें भाग्यश्री बोरसे के शामिल होने की खबरें गलत हैं। प्रोडक्शन हाउस जल्द ही इस फिल्म की एक्ट्रेस के नाम का ऐलान करेगा। बता दें कि भाग्यश्री तेलुगू, तमिल और हिंदी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' में उनका छोटा लेकिन अहम रोल था। भाग्यश्री मूलतः महाराष्ट्र के औरंगाबाद (अब छत्रपति संभाजीनगर) से ताल्लुक रखती हैं।

करीना प्रेग्नेंट...!

करीना कपूर खान का एक वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सनसनी बन गया। दरअसल, एक्ट्रेस मुंबई में जिम के बाहर स्पॉट हुईं। इस दौरान उनका लुक देखकर यूजर्स ने पूछना शुरू कर दिया कि क्या करीना प्रेग्नेंट हैं? वीडियो में करीना ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं। जिम से बाहर आते हुए उनके साथ मौजूद बॉडीगॉर्ड ने छाते से एक्ट्रेस को छुपाने की कोशिश की, लेकिन एक्ट्रेस का टमी नजर आ ही गया। उनका बाहर निकला पेट देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने चुटकी लेने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। एक यूजर ने लिखा, प्रेग्नेंट है क्या? दूसरे ने लिखा, लगता है तीसरा बेबी आने वाला है। तीसरे ने लिखा, एडवान्स में

बिगड़ा हुलिया पिचके गाल पतली कमर

एमी जैक्सन का शॉकिंग ट्रांसफॉर्मेशन

एमी जैक्सन को आपने 'सिंह इज ब्लिंग' और अक्षय कुमार की '2.0' जैसी फिल्मों में देखा होगा। उन्होंने हिंदी के अलावा साउथ की भी कई फिल्मों में काम किया है। एक समय पर अपनी खूबसूरती, प्यारी सी मुस्कान और बेहतरीन अदाकारी से भारतीय सिनेप्रेमियों का दिल जीतने वाली एमी अब बिल्कुल बदल गई हैं। उनके लुक और अंदाज में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं, जिन्हें देखकर फैंस बेहद चौंक गए हैं। उनका मेकओवर इतना शॉकिंग और अलग है कि देखने वाले अपनी आंखों पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं। अत्यधिक पतली कमर, पिचके हुए गाल, तीखे नैन-नक्श और एकदम बोल्ड व वेस्टर्न फैशन सेंस देखकर लोग लगातार सोशल मीडिया पर रिएक्ट कर रहे हैं। एक ओर फैशन इंडस्ट्री से जुड़े लोग इसे उनका एक नया, बेबाक और इंटरनेशनल फैशन स्टेटमेंट मान रहे हैं, वहीं कुछ यूजर्स उनके अत्यधिक वजन घटने और मेकओवर पर चिंता जता रहे हैं।

ओह हो, तो 'शेयर' पर बिगड़ी थी बात

'स्पिरिट' विवाद दीपिका पर गंभीर आरोप

दीपिका पादुकोण और फिल्म 'स्पिरिट' के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के बीच का विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दीपिका जब इस फिल्म से बाहर हुई थीं, तब कहा गया था कि 8 घंटे की शिफ्ट और ज्यादा फीस की डिमांड को लेकर उनका वांगा से विवाद हुआ। लेकिन अब असली बात सामने आई है। दरअसल, वांगा के भाई प्रणय रेड्डी ने दीपिका को बाहर का रास्ता दिखाने की 'कई वजहें' बताई। उन्होंने कहा कि विवाद सिर्फ 5-6 करोड़ रुपए ज्यादा फीस को लेकर नहीं था, बल्कि पैसे, शेड्यूलिंग और प्रोजेक्ट की दूसरी बातों को लेकर अनबन थी। उन्होंने दावा किया कि दीपिका फिल्म के प्रॉफिट से 10% हिस्सेदारी मांग रही थीं।

इसके तुरंत बाद चीजें हाथ से निकल गईं और बात बढ़ती चली गई। उन्होंने सब कुछ लीक करना शुरू कर दिया। प्रणय ने कहा, ₹हमने एक्ट्रेस के साथ फिल्म की कहानी और किरदार पर एक साल से ज्यादा समय तक चर्चा की थी। उन्होंने सारी गोपनीय बातें लीक कर दीं।₹ इससे पहले वांगा ने भी एक्ट्रेस का नाम लिए बिना 'एक्स' पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि किसी एक्टर को कहानी सुनाना 100 प्रतिशत भरोसे और गोपनीयता के समझौते पर टिका होता है, जिसे सार्वजनिक करना गलत है।

Sport

टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स, अल्कारेज के साथ मिक्स्ड डबल्स खेलेंगी

दोनों को वाइल्ड कार्ड मिला, 2022 के बाद पहली बार लौटेंगी, अल्कारेज डिफेंडिंग चैंपियन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सेरेना विलियम्स यूएस ओपन में कार्लोस अल्कारेज के साथ मिक्स्ड डबल्स खेलेंगी। यूएस टेनिस एसोसिएशन ने शनिवार को बताया कि विलियम्स और अल्कारेज को टूनामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। मिक्स्ड डबल्स का मेन ड्रॉ मंगलवार से शुरू होगा।

यह 2022 के बाद सेरेना का पहला यूएस ओपन होगा। वहीं स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज डिफेंडिंग चैंपियन हैं। उन्होंने 2025 का खिताब जीता था। सेरेना 2022 के बाद यूएस ओपन में पहली बार उतरेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन टेनिस में वापस लौटी हैं। विलियम्स ने अभी यह नहीं बताया है कि वह न्यूयॉर्क में सिंगल्स खेलेंगी या नहीं। इसके लिए एसोसिएशन ने एक महिला वाइल्ड कार्ड अभी बचाकर रखा है।

विलियम्स ने विंबलडन में सिंगल्स खेला था। इसके बाद उन्होंने सिनसिनाटी ओपन में अपनी बड़ी

बहन वीनस के साथ डबल्स खेला था। अल्कारेज ने इस हफ्ते बताया था कि वह यूएस ओपन के अपने सिंगल्स खिताब का बचाव करने लौटेंगे। दाएं हाथ की कलाई की चोट के कारण वह अप्रैल से टेनिस से बाहर थे।

दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की हत्या

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 38 साल के टेटे को शुक्रवार को ईस्टर्न केप के मडांत्साने में उनके घर के बाहर निशाना बनाया गया। वह अपनी कार में बैठे थे और घर का गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे। तभी बलाक्लावा पहने दो हथियारबंद लोगों ने उनकी कार पर कई गोलियां चला दीं।

हमले में टेटे के साथ कार में मौजूद 27 साल की महिला भी घायल हुई। उसे कई गोलियां लगी हैं। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। टेटे को बॉक्सिंग में लास्ट बॉर्न के नाम से जाना जाता था। उनके नाम वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2017 में साउथ अफ्रीका के सिबोनिसो गोन्या को सिर्फ 11 सेकेंड में नॉकआउट किया था। इस जीत के साथ उन्होंने वर्ल्ड टाइटल फाइट में

सबसे तेज नॉकआउट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

दो वेट कैटेगरी में वर्ल्ड चैंपियन रहे

टेटे ने अलग-अलग वेट कैटेगरी में वर्ल्ड टाइटल जीते थे। उन्होंने 2007 और 2008 में वर्ल्ड टाइटल अपने नाम किया। इसके बाद 2017 और 2019 में उन्होंने वर्ल्ड बॉक्सिंग ऑर्गनाइजेशन का वर्ल्ड टाइटल जीता।

नैनो न्यूज

- **हॉकी वर्ल्ड कप में भारत की चुनौती** – भारतीय पुरुष टीम दूसरे चरण में पहुंच गई है और अब सेमीफाइनल की दौड़ में नीदरलैंड्स व अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला करेगी।
- **ट्रीसा-गायत्री ने जीता कांस्य** – ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक अपने नाम किया।
- **स्टार्क का कहर, बांग्लादेश 64 पर ढेर** – ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन छह विकेट झटककर बांग्लादेश की पारी 64 रन पर समेट दी।
- **ऑस्ट्रेलिया भी मुश्किल में** – बांग्लादेश के शोरिफुल इस्लाम ने छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को भी झटके दिए। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया 165/8 पर था।
- **आयुष शेट्टी का बड़ा उलटफेर** – भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर-1 शी यूकी को हराकर बड़ा उलटफेर किया।
- **नीरज चोपड़ा फिर चूके** – नीरज चोपड़ा श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से एक बार फिर पीछे रह गए।
- **महिला हॉकी को झटका** – नीदरलैंड्स ने भारत को 2-0 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल की राह मुश्किल कर दी।

गंभीर बोले- मेरा काम ट्रॉफी जीतना, लाइक्स-व्यूज देखना नहीं

खराब नतीजों पर कहा- अभी बदलाव का दौर, उनकी कोचिंग में सिर्फ 9 टेस्ट जीते

एजेंसी ▸▸ मुंबई

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट टीम के हालिया प्रदर्शन पर हो रही आलोचना का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनका काम रैंकिंग या सोशल मीडिया के लाइक्स-व्यूज देखना नहीं, बल्कि टीम को ट्रॉफी जिताना है।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो में गंभीर ने कहा कि भारत टेस्ट क्रिकेट में संघर्ष नहीं कर रहा है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है।

भारत ने गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीता था। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत की टेस्ट टीम में पिछले कुछ समय में बड़े बदलाव हुए हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली और

रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं। इसके बाद टीम में नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसी दौर में भारत को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। नई टीम में शुभमन गिल कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। वह नंबर-4 पर भी बल्लेबाजी कर रहे हैं। देवदत्त पडिक्कल ने नंबर-3 पर अपनी जगह बनाने की कोशिश की है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 167 रन बनाए थे।

दुकान बेचना है
प्राईम लोकेशन कंठाल चौराहा की दुकान बेचनी है।
साईज - 10x11
हाईट- 15 फीट
मोबाइल
8518800456
9981310034

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715,
9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की
(अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

न्यूज कॉलम

अधिग्रहित जमीन के 4 गुने मुआवजे से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

झाबुआ। झाबुआ में चल रहे किसान आंदोलन के चौथे दिन रविवार को भारतीय किसान संघ के प्रांतीय प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया और नागर सिंह चौहान से मुलाकात की। विश्राम गृह में हुई इस बैठक में बदनावर-टिमरवानी फोर लेन मार्ग निर्माण में अधिग्रहित जमीन के 4 गुने मुआवजे से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने किसानों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि वे इस मामले को भोपाल स्तर पर उठाएंगे और मुख्यमंत्री से किसानों की सीधी बात कराने का प्रयास करेंगे। मंत्रियों ने कुछ सुझावों के साथ मुख्यमंत्री तक बात पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

18 माह का बालक तीसरी मंजिल से गिरा, इलाज के दौरान मौत

कुक्षी, धार। कुक्षी में अलीराजपुर रोड पर एक किराए के मकान में 18 माह का बालक दिव्यांश शनिवार को तीसरी मंजिल से गिर गया। गंभीर रूप से घायल बालक को पहले कुक्षी के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बड़वानी रेफर कर दिया गया। बड़वानी में उपचार के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। घटना के समय बालक की मां ने उसे पलंग पर बिठाया था और घर के काम में व्यस्त थी। खेलते-खेलते बालक अचानक गैलरी की चौड़ी रेलिंग में से नीचे गिर गया। दिव्यांश के पिता धर्मेंद्र बघेल कुक्षी तहसील के ग्राम चिखली के निवासी हैं और पेशे से ड्राइवर हैं। वह कुक्षी में अलीराजपुर रोड पर किराए के मकान में परिवार के साथ रहते हैं।

पुलिस ने अपहृत बालिका को मुंबई से छुड़ाया

धार। डेहरी पुलिस ने बाग थाना क्षेत्र से अपहृत एक नाबालिग लड़की को मुंबई (महाराष्ट्र) से सकुशल छुड़ा लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यह घटना 17 अगस्त को दर्ज की गई थी। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी सुशील राजभर (24) के रूप में हुई है। नाबालिग लड़की की पहचान आरोपी से गुजरात के मोरबी में काम करने के दौरान हुई थी। लड़की के घर लौटने के बाद आरोपी उसे बहला-फुसलाकर मुंबई ले गया था। परिजनों ने 17 अगस्त को बाग थाने में लड़की के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर सेल की मदद ली। तकनीकी सहायता से लड़की के मुंबई में होने की जानकारी मिली, जिसके बाद एक पुलिस टीम गठित की गई।

25 हजार से अधिक पर्यटक मांडू पहुंचे

डायनासॉर फॉसिल पार्क से रानी रूपमती महल तक लगा जाम

मांडू। रविवार को मांडू में पर्यटकों का हुजूम उमड़ पड़ा। रिमझिम बारिश के बीच 25 हजार से अधिक पर्यटक मांडू पहुंचे, जिससे पूरी पर्यटन नगरी दिनभर गुलजार रही। बीते वर्षों की तुलना में इस बार अगस्त महीने में पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। वीकेंड के कारण मांडू में गाड़ियों का दबाव काफी बढ़ गया। डायनासॉर फॉसिल पार्क से लेकर रानी रूपमती महल मार्ग और जहाज महल मार्ग पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। जाम से निपटने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के लिए प्रशासनिक टीम जमीन पर उतरी रही। एसडीएम राजकुमार हलधर, तहसीलदार आशीष राठौर और मांडू थाना प्रभारी इंदर सिंह रावत अपनी टीमों के साथ पूरे दिन क्षेत्र में जायजा लेते रहे। विंध्याचल की पहाड़ियों में बसा मांडू इन दिनों चारों ओर हरियाली की चादर ओढ़े हुए है। झमाझम बारिश के बीच यहां के पहाड़, झरने और गहरी खाइयां मांडू की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। पर्यटकों ने ऐतिहासिक रानी रूपमती महल, बाज बहादुर महल और जहाज महल का जमकर आनंद लिया। इसके अलावा, मांडू पहुंचे सैलानियों ने अंगारों पर सेंके जाने वाले मालवा के प्रसिद्ध और पारंपरिक 'दाल-पानिए' के स्वाद का भी मजा लिया। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने बताया कि मांडू में पर्यटकों को बेहतर सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं देना हमारी पहली प्राथमिकता है। इसके लिए एक टास्क फोर्स कमेटी बनाई गई थी, जिसकी योजनाएं अब असर दिखा रही हैं।

नैनो न्यूज

- **होटल कारोबार को हाईकोर्ट राहत-** सयाजी होटल की खाद्य इकाई के लाइसेंस निलंबन पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई है। होटल प्रबंधन को कारोबार संचालन में राहत मिली।
- **हाईवे निर्माण से व्यापार बढ़ेगा-** इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन हाईवे का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। बेहतर कनेक्टिविटी से माल परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों को फायदा होगा।
- **होटल उद्योग में विस्तार जारी-** प्राइड होटल्स ने इंदौर में अपना नौवां होटल शुरू किया है। कंपनी दिसंबर तक करीब 1,000 करोड़ रुपए का आईपीओ लाने की तैयारी में है।
- **जल परियोजना पर उठे सवाल-** गोराकुंड में 24 घंटे जलापूर्ति पाइपलाइन के परीक्षण के दौरान सड़क फूट गई। 40 करोड़ की परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं।
- **कम बारिश से कारोबार प्रभावित-** इंदौर के जलाशयों में पानी 70 प्रतिशत क्षमता से नीचे पहुंच गया है। बारिश की कमी से कृषि और औद्योगिक गतिविधियों पर चिंता बढ़ी है।
- **सराफा बाजार पर नजरें टिकी-** चांदी के लगातार बढ़ते भाव से इंदौर के सराफा कारोबारियों की निगाहें बाजार की चाल पर हैं। त्योहारी मांग को लेकर भी उम्मीदें बढ़ी हैं।

अवैध कब्जे खाली करने के बदले बड़ी रकम मांगी, नाबालिग को टॉयलेट सीट चटवाने का भी आरोप

इंदौर में 35 से ज्यादा केस का लिस्टेड गुंडा गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

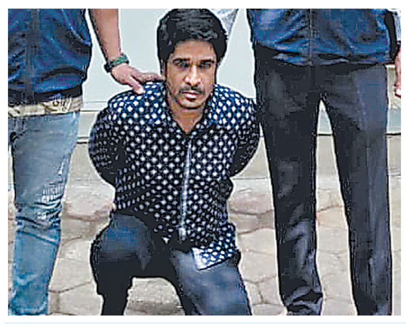

इंदौर के राधिका कुंज में खाली प्लॉटों पर अवैध कब्जा कर दुकानें और टीन शेड बनाने, प्लॉट मालिकों से पैसे मांगने और धमकाने के मामले में क्राइम ब्रांच ने लिस्टेड गुंडे मुख्तियार खान को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर अवैध कब्जे, रंगदारी और मारपीट समेत 35 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। मुख्तियार पर साल 2018 में एक नाबालिग को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटने और टॉयलेट सीट चटवाने का भी आरोप लगा था। उस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई की थी। आरोपी को रविवार को गिफ्तार किया गया है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि मुख्तियार खान एलआईजी क्षेत्र का निवासी है। उसने राधिका कुंज कॉलोनी के खाली प्लॉटों पर कथित तौर पर कब्जा कर वहां टीन शेड और दुकानें बना ली थीं। इनका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। प्लॉट मालिकों ने जब अपनी जमीन खाली करने के लिए कहा तो आरोपी ने कथित तौर पर उनसे बड़ी रकम की मांग की। पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। इसी मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। क्राइम ब्रांच उसकी तलाश कर रही थी। रविवार को टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, साल 2018 में राधिका कुंज की कब्जे वाली जमीन पर मुख्तियार ने कथित तौर पर एक टॉर्चर रूम बना रखा था। यहां उसके बेटे से विवाद के बाद एक नाबालिग को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की गई थी। आरोप है कि नाबालिग को बेल्ट से पीटा गया और उससे टॉयलेट सीट चटवाई गई। घटना का वीडियो भी बनाया गया था।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तत्कालीन टीआई तहजीब काजी ने मुख्तियार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद पुलिस ने उसके अवैध कब्जों की जानकारी जुटाई और प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए जमीन खाली कराई थी। इस दौरान आरोपी का मकान भी तोड़ा गया था। मामले में मुख्तियार को जेल भेजा गया था। आरोप है कि जेल से बाहर आने के बाद मुख्तियार ने विजय नगर और एमआईजी के खुफिया सेल के कुछ जवानों से नजदीकियां बढ़ा ली थीं।

अब एलआईजी लिंक रोड पर सोफा की दुकान

पुलिस के मुताबिक, जेल से बाहर आने के बाद भी मुख्तियार पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप लगते रहे। वह एमआईजी थाने का लिस्टेड गुंडा है और वर्तमान में एलआईजी लिंक रोड पर सोफा की दुकान चलाता है। क्राइम ब्रांच अब आरोपी से उसके अन्य अवैध कब्जों और आपराधिक गतिविधियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस उसके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों और संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

1.5 लाख वर्गफीट से ज्यादा जमीन पर कब्जे का आरोप

पुलिस के मुताबिक, मुख्तियार खान ने विजय नगर और एमआईजी थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली राधिका कुंज और स्वर्णबाग कॉलोनी में गृह निर्माण संस्थाओं और निजी गृह स्वामियों की 1.5 लाख वर्गफीट से ज्यादा जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। उसने कई वर्षों से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इन जमीनों पर गोदाम, शेड और अन्य अवैध निर्माण कर रखे थे। आरोप है कि मुख्तियार और उसके गिरोह का मुख्य तरीका अवैध कब्जा जमाकर मूल जमीन मालिकों को डराना-धमकाना था। कब्जा छोड़ने के एवज में संस्था और प्लॉट मालिकों से 1.5 लाख से 50 लाख रुपए तक की रंगदारी मांगी गई।

फर्जी दस्तावेज से प्लॉट बेचने का आरोप

पुलिस के मुताबिक, मुख्तियार और उसके गिरोह ने असली जमीन मालिकों के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कर भूखंडों को अवैध रूप से बेचने और रकम ऐंठने का काम भी किया। अवैध कब्जा और रंगदारी के लिए बंदूक की नोक और गुंडों के दम पर जमीनों पर कब्जा करने तथा खाली करने के लिए ब्लैकमेल करने के आरोप भी हैं।

पुलिसकर्मियों से सांठगांठ और संरक्षण के आरोप

जांच में विजय नगर और एमआईजी थाने के खुफिया सेल के कुछ जवानों और स्थानीय पुलिसकर्मियों से मुख्तियार की नजदीकी की बात सामने आई थी। आरोप है कि पुलिसकर्मी उसे कार्रवाई से पहले सूचना लीक करते थे और उसकी अवैध गतिविधियों को संरक्षण देते थे। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने अंदरूनी जांच बैठाई थी और संदिग्ध जवानों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई थी।

प्रिंसिपल के ट्रांसफर पर बच्चों ने फोड़े पटाखे

मिठाई बांटकर मनाई खुशी, छात्र से कहा था- सीएम हेल्पलाइन लगाई है तो क्या मुख्यमंत्री आएंगे

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर जिले के देपालपुर स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य सपना भदौरिया का देवास तबादला होने पर विद्यार्थियों ने खुशी मनाई। ट्रांसफर की जानकारी मिलते ही स्कूल के मुख्य गेट के बाहर छात्र-छात्राओं की भीड़ जुट गई। विद्यार्थियों ने पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई।

दरअसल, स्कूल में माइग्रेशन सर्टिफिकेट को लेकर एक छात्र और प्राचार्य के बीच विवाद हुआ था। सर्टिफिकेट मिलने में परेशानी होने पर छात्र ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत की थी। इसके बाद प्राचार्य और छात्र के बीच बातचीत का कथित ऑडियो सामने आया। छात्र का दावा है कि प्राचार्य ने कहा था- तूने सीएम हेल्पलाइन लगाई है तो क्या यहां मुख्यमंत्री ढूंढने आएगा? मुख्यमंत्री से ले ले, तुझे ढूंढकर सीएम देगा, मैं क्या करूं? ऑडियो वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। मामले के बाद आयुक्त के आदेश पर प्राचार्य सपना भदौरिया का देवास तबादला कर दिया गया। तबादले की जानकारी मिलने के बाद विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने खुशी जताई। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से परेशान थे।

एबीवीपी ने किया था 2 घंटे प्रदर्शन

मामले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को स्कूल पहुंचकर करीब दो घंटे प्रदर्शन किया था। कार्यकर्ताओं ने निष्पक्ष जांच और छात्र को जल्द माइग्रेशन सर्टिफिकेट दिलाने की मांग की थी। प्रदर्शन के दौरान स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाए जाने और बाद में ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश करने की बात भी सामने आई थी। कार्यकताओं ने प्राचार्य पर अन्य अनियमितताओं के आरोप भी लगाए थे।

जेल में बनी अंतरराज्यीय चोर गैंग

दिन में रेकी के बाद रात में करते थे चोरी, तीन गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

पुलिस कप्तान पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर और एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सेंधवा ग्रामीण पुलिस ने ग्राम धनौरा में हुई चोरी की जांच करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। जुलाई में रात के समय फरियादी के घर का शटर तोड़कर अज्ञात चोर अंदर दाखिल हुए थे और चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से आरोपियों का सुराग जुटाया। पुलिस ने भीमा उर्फ भीमसिंह पिता रतन भीलाला (41) निवासी वाक्या, थाना सेंधवा ग्रामीण, अशोक उर्फ मुकेश पिता कलसिंह भीलाला (26) निवासी वाक्या और बलीराम पिता दुरसिंह भीलाला (29) निवासी वाक्या को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चांदी के कड़े, चेन, गले के हार, बिछिया, लॉकेट और अंगूठियां बरामद की गईं।

कोर्ट में दंपती के विवाद के बाद मारपीट

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर के जिला कोर्ट में शनिवार को घरेलू हिंसा के मामले में पेशी पर आए दंपती और उनके परिजनों के बीच मारपीट हो गई। बताया जा रहा है कि कोर्ट से बाहर निकलने के दौरान पति की महिला मित्र को देखकर महिला के परिजन नाराज हो गए और विवाद शुरू हो गया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई। मामले में दोनों पक्षों ने पुलिस को शिकायत दी है।

एमजी रोड पुलिस के मुताबिक, रितेश चौधरी की शिकायत पर लोकेश बेतव, भारत बेतव, योगेश भदौरिया, नीतू और भारती चौहान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। रितेश महू के रहने वाले हैं और नगर परिषद में कार्यरत हैं। पुलिस के अनुसार, रितेश की पत्नी ने घरेलू हिंसा को लेकर कोर्ट में प्रकरण लगाया था। इसमें रितेश की महिला मित्र पिंकी का भी नाम था। शनिवार को इसी मामले में 14 नंबर कोर्ट में पेशी थी। पेशी के बाद जब रितेश और पिंकी कोर्ट से बाहर निकले, तो ससुराल पक्ष के लोग वहां पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने दोनों से मारपीट शुरू कर दी। रितेश की शिकायत के मुताबिक, पिंकी बचाव के लिए आई तो महिलाओं ने उसे पकड़कर खींच लिया। आरोप है कि महिलाओं ने चप्पलों से उसकी पिटाई की और उसके कपड़े भी फाड़ दिए।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

इंदौर के दो प्रतिष्ठानों के बार लाइसेंस निलंबित

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर जिले में खाद्य सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य से संबंधित गंभीर अनियमितताओं के विरुद्ध की गई संयुक्त कार्रवाई के फलस्वरूप दो प्रतिष्ठानों के बार लाइसेंस निलंबित किए गए हैं।

जांच हेतु गठित संयुक्त दल, जिसमें डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वेस्टर्न जोन-2 के केंद्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला इंदौर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल थे। दल द्वार मेसर्स सायानी होटल्स (इंदौर) लिमिटेड एवं मेसर्स सहस्त्र फूड्स एण्ड सर्विसेस प्रायवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर लोक स्वास्थ्य के हित में संबंधित प्रतिष्ठानों की खाद्य अनुज्ञप्तियां निलंबित की गई। आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार बार अनुज्ञप्ति धारण करने के लिए संबंधित प्रतिष्ठान के पास खाद्य संरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत वैध खाद्य अनुज्ञप्ति होना अनिवार्य है। खाद्य अनुज्ञप्ति के निलंबन के फलस्वरूप संबंधित बार अनुज्ञप्तियों की निर्धारित शर्तों का उल्लंघन होना पाया गया। उक्त तथ्यों के आधार पर मप्र आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 31 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर द्वारा आदेश क्रमांक 6199 एवं 6201 जारी किए गए हैं।

कमीशन पर ग्वालियर-चंबल से अलीराजपुर भेजते थे बीयर

शराब तस्करी में दो और गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

कनाड़िया इलाके में 22 जुलाई को वाहन को टक्कर मारने के बाद पुलिस के हाथ लगे कंटेनर से करीब 55 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद हुई थी। पुलिस ने मामले में कंटेनर सवार पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

पूछताछ में आरोपियों ने शराब की तस्करी में कमीशन पर काम करने वाले दो लोगों के नाम बताए। कनाड़िया पुलिस ने शनिवार को हनी पुत्र हरभजन टूटेजा निवासी अमितेश नगर और मोनू उर्फ कृष्णा निवासी रठेर, मुरैना को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। दोनों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी कमीशन लेकर ग्वालियर और शिवपुरी से इंदौर के रास्ते अलीराजपुर तक शराब पहुंचवाते थे। पूछताछ में उन्होंने दो शराब ठेकेदारों के नाम भी बताए हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। 22 जुलाई को कनाड़िया इलाके में शराब से भरे कंटेनर ने बायपास पर एक गाड़ी को टक्कर मार दी थी। बीट के जवान मौके पर पहुंचे तो कंटेनर में बड़ी मात्रा में शराब मिली। सूचना पर अधिकारियों ने जांच शुरू की। कंटेनर में बैठे आकाश अहिरवार, राहुल नामदेव, विजय वैष्णव, दीपाश सोनने और नीतेश प्रजापति से शराब की बिल्टी मांगी गई। उन्होंने बताया कि शराब ग्वालियर से लाई गई थी और इसे अलीराजपुर भेजा जा रहा था। पुलिस के अनुसार, कंटेनर में माउंट कंपनी की करीब 927 पेटी बीयर मिली थी। इसे ग्वालियर क्षेत्र की एक फैक्ट्री में तैयार किया जाता है।

अलीराजपुर में यह शराब छोटी दुकानों और हाईवे किनारे की दुकानों पर 'लालटेन' नाम से बेची जाती है। पुलिस का कहना है कि इसे पीने से जल्दी नशा होता है और ग्रामीण इलाकों में इसकी मांग अधिक है। शनिवार को गिरफ्तार किए गए हनी और मोनू ने पूछताछ में बताया कि वे कमीशन पर शराब की सप्लाई करवाते थे। उन्होंने दो शराब ठेकेदारों के नाम भी बताए, जो फैक्ट्री और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की शराब दुकानों से माल लेकर कमीशन के आधार पर अलीराजपुर भेजते थे।

सड़क पर चाकू लेकर कर रहा था छेड़छाड

वायरल वीडियो के बाद बदमाश हिरासत में, उठक-बैठक लगवाई

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

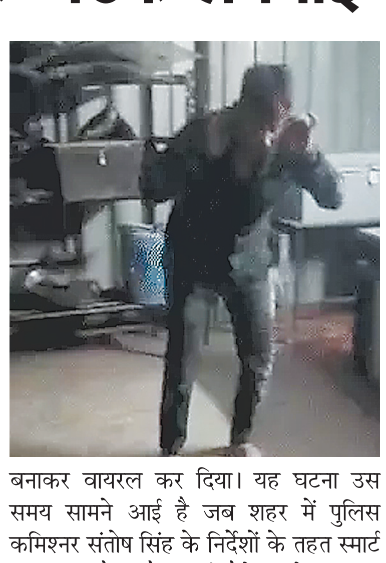

इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में शनिवार रात सड़क पर खुलेआम चाकू लहराकर महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाले बदमाश को पुलिस ने देर रात हिरासत में ले लिया। आरोपी अपने साथियों के साथ नशे की हालत में चंदू वाला रोड पर हंगामा कर रहा था।

स्थानीय लोगों द्वारा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अवैध वसूली और धमकाने की धाराओं में मामला दर्ज कर उससे थाने में उठक-बैठक लगवाई।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान चादू वाला रोड निवासी जबीर उर्फ कल्लू (पिता शाकिर) के रूप में हुई है। शनिवार रात जबीर अपने अन्य साथियों के साथ चादू वाला रोड पर खुलेआम हाथ में चाकू लेकर खड़ा था। वह नशे में था और वहां से गुजरने वाली महिलाओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। इस दौरान लोगों ने उसकी हरकत का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। यह घटना उस समय सामने आई है जब शहर में पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के निर्देशों के तहत स्मार्ट पुलिसिंग और फ्लैग मार्च जैसे आयोजन किए जा रहे हैं। घटना से कुछ समय पहले ही चंदन नगर थाना प्रभारी तिलक करोले ने पुलिस स्टाफ के साथ इलाके में बाइक से भ्रमण किया था। पुलिस के गश्त कर लौटते ही बदमाश सड़क पर आकर गुंडागर्दी करने लगा।

आधा दर्जन अपराध, थाने में उठक-बैठक

वायरल वीडियो देर रात चंदन नगर थाना पुलिस तक पहुंचा, जिसके बाद टीम ने तुरंत दबिश देकर जबीर को हिरासत में ले लिया। थाने लाने के बाद पुलिस ने उससे उठक-बैठक लगवाई। जानकारी के अनुसार, जबीर उर्फ कल्लू पर करीब आधा दर्जन से अधिक अपराध हैं। चंदन नगर क्षेत्र में पिछले दिनों भी बदमाशों के अवैध हथियारों के साथ वीडियो वायरल हुए थे।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com